Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

# दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 47 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, मंगलवार 30 जुलाई 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

**सुविचार**

जड़ का नहीं चेतन का उपकार होता है।

Beneficence is done to a living one not to non-living.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

## संक्षिप्त समाचार

### सीएम मान ने 51.74 करोड़ की लागत से तैयार हुए रेलवे ओवर ब्रिज का किया उद्घाटन

**दीनानगर (आरएनएस)।** गुरदासपुर के दीनागर में आज मुख्यमंत्री भगवंत मान ने 51.74 करोड़ की लागत से हुए रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) का उद्घाटन किया। इस मौके आप के मंत्री और विधायक समागम में मौजूद रहे। इस मौके सीएम मान ने कहा कि पहले खुशियों वाले समारोह पंजाब में होना ही बंद हो गए थे। नौकरियों देने वाले समागम होते हुए कभी सुने थे। वह अपने परिवारों तक सीमित हो गए थे। उन्होंने कहा कि हम दिन रात पंजाब की सेवा में लगे हुए हैं। कोई ऐसा मौका नहीं छोड़ रहे हैं कि पंजाब का फायदा न हो या पंजाब के हकों की लड़ाई हम न लड़े। चाहे सुप्रीम कोर्ट जाना पड़े अपने हक लेकर रहेंगे।

### बिहार सरकार को सुप्रीम कोर्ट से झटका

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** बिहार में 65प्रतिशत आरक्षण मामले में नीतीश सरकार को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली है। सुप्रीमकोर्ट ने पटना हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। इससे पहले पटना हाईकोर्ट ने 20 जून को बिहार सरकार के 65प्रतिशत जाति आधारित आरक्षण देने के फैसले को असंवैधानिक मानते हुए रद्द कर दिया था। पटना हाईकोर्ट के फैसले को नीतीश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी लेकिन फिलहाल उसे कोई राहत नहीं मिली है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने बिहार सरकार की अपील को सुनवाई के लिए मंजूर कर लिया है। कोर्ट ने वकील मनीष कुमार को नोडल वकील नियुक्त किया है। कोर्ट इस मामले में अब सितंबर में सुनवाई करेगा।

### गढ़चिरौली में बारिश से बिगड़े हालात

**गढ़चिरौली (आरएनएस)।** महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में बाढ़ के कारण स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। गढ़चिरौली में दिनभर हुई बारिश ने लोगों के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। भारी बारिश के कारण नदियों का जलस्तर फिर से बढ़ने लगा है। गढ़चिरौली में भारी बारिश के बाद बांधों से फिर पानी छोड़ा गया है। इसके चलते जिले की बड़ी नदियों में फिर से बाढ़ आ गई है, जिसके कारण जिले के कुल 40 रास्ते बंद हो गए हैं। बताया जा रहा है कि दोबारा जलस्तर बढ़ने के बाद गढ़चिरौली की पांच तहसीलों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया है। इतना ही नहीं गढ़चिरौली को नागपुर से जोड़ने वाले रास्ते से भी रविवार देर रात संपर्क टूट गया।

**छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की**

## प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित 15.18 लाख पात्र परिवारों को जल्द मिलेगा आवास

**छत्तीसगढ़ में आवास व सड़कों के लंबित कार्य जल्द होंगे पूरे**

**आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों और पीड़ित परिवारों के पुनर्वास पर जोर**

**उन्नत तकनीक और बीजों की उपलब्धता से मिलेट फसलों का बढ़ेगा उत्पादन**

**रायपुर/नई दिल्ली (विश्व परिवार)।** छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज नई दिल्ली के कृषि भवन में कृषि व ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। इस दौरान छत्तीसगढ़ के कृषि और ग्रामीण विकास के विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसी योजनाओं के कार्यान्वयन पर विशेष जोर दिया गया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित 15.18 लाख पात्र परिवारों के आवास का मुद्दा भी रखा, जिस पर केंद्रीय मंत्री ने जल्द स्वीकृति देने का आश्वासन दिया है। केंद्रीय मंत्री से मुलाकात के दौरान उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा भी साथ थे।

बैठक में मुख्यमंत्री श्री साय ने केंद्रीय मंत्री को सूचित किया कि छत्तीसगढ़ प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लंबित 15.18 लाख परिवारों को अभी तक आवास की स्वीकृति नहीं मिली है। इसमें 6.99 लाख परिवार योजना के स्थायी प्रतीक्षा सूची में हैं और 8.19 लाख परिवार आवास प्लस में शामिल हैं। पूर्व में योजना के लिए राज्य का हिस्सा नहीं मिलने के कारण यह समस्या बनी रही। मुख्यमंत्री ने जल्द आवास स्वीकृत करने का अनुरोध किया, जिस पर केंद्रीय मंत्री ने इस पर तत्काल कार्रवाई किए जाने की बात कही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों और प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने के कारण सामाजिक आर्थिक जातिगत जनगणना-2011 एवं आवास प्लस 2018 की सूची में अनेक पात्र परिवारों का नाम शामिल नहीं हो सका है। उन्होंने 10,500 नए पात्र परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना में शामिल करने का अनुरोध किया और साथ ही नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पंचायतों को आवास निर्माण की स्वीकृति देने की मांग की।

मुख्यमंत्री ने मनरेगा योजना के तहत आधार आधारित भुगतान प्रणाली (ABPS) में 31 मार्च, 2025 तक छूट देने का आग्रह किया, ताकि दूरस्थ और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के श्रमिकों को योजना का लाभ मिल सके। उन्होने कहा दूरस्थ और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में इंटरनेट की कमी और अन्य समस्याएं हैं, जिससे आधार आधारित भुगतान में कठिनाई आ रही है। इसके साथ ही इन क्षेत्रों में जब तक बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध ना हो तब तक नगद भुगतान की अनुमति देने की मांग की। साथ ही, मुख्यमंत्री साय ने आदिवासी क्षेत्रों में सड़क कनेक्टिविटी सुधार की आवश्यकता जताई, जहां कई बसाहटें बारहमासी सड़कों से जुड़ी नहीं हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में छूटे हुए आदिवासी क्षेत्रों को शामिल करने और पुरानी सड़कों के उन्नयन की मांग की। मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री जनजातीय न्याय महाअभियान के तहत 106 वृहद पुलों की स्वीकृति की प्रक्रिया की जानकारी दी और साथ ही छत्तीसगढ़ के लिए 426 छूटे हुए पुलों के निर्माण की मांग की। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत इन पुलों का निर्माण महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे आदिवासी क्षेत्रों की सड़क कनेक्टिविटी सुधरेगी और नक्सल उन्मूलन अभियान को भी मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ में कोदो, कुटकी, और रागी जैसी मिलेट फसलों के उत्पादन को बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इन फसलों की उत्पादन क्षमता बढ़ाना राज्य के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि ये पौष्टिक होती हैं और आदिवासी क्षेत्रों में प्रमुख खाद्य पदार्थ हैं। साथ ही, उन्नत तकनीक और बीजों की उपलब्धता से किसानों की आय बढ़ेगी।

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने छत्तीसगढ़ में कृषि व ग्रामीण विकास के विभिन्न प्रस्तावों पर जल्द से जल्द सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया है।

बैठक में छत्तीसगढ़ से मुख्यमंत्री के सचिव श्री पी दयानंद, पंचायत व ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक, प्रधानमंत्री आवास योजना के संचालक श्री रजत बंसल एवं केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

## किन्नौर में बादल फटने से मची तबाही

**शिमला (आरएनएस)।** हिमाचल प्रदेश में किन्नौर के ज्ञाबुंग और रोपा पंचायत में नाले में बादल फटने से करोड़ों की संपत्ति का नुकसान हुआ है। रोपा पंचायत में ग्रामीण धर्म सिंह मेहता के दो कमरों का मकान बह गया, जबकि हरि सिंह का मकान पानी और मलबा से भर गया। जल शक्ति विभाग की चार सिंचाई नहरों को 57 लाख का नुकसान हुआ है। शिमला में भी दोपहर बाद बारिश हुई। शिमला स्थित मौसम विज्ञान केंद्र ने प्रदेश में तीन अगस्त तक बारिश का 'येलो अलर्ट' जारी किया है। ज्ञाबुंग और रोपा नाले में बादल फटने से मलबा लोगों के बगीचों में पहुंच गया, जिससे सैकड़ों सेब के पौधों और नकदी फसलों को नुकसान हुआ है। रोपा पंचायत की सिंचाई कूहल रिगेन को बाढ़ से नुकसान हुआ है। यहां जल शक्ति विभाग की करीब 60 मीटर कूहल में मलबा भर गया।

## देश के नए चक्रव्यूह को मोदी ने छाती पर सजाया : राहुल गांधी

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** संसद के मॉनसून सत्र का आज नौवां दिन है और आज कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर बरसते हुए कहा कि युवाओं को अग्निपथ योजना के चक्रव्यूह में फंसाया गया। सरकार ने बजट में मिडिल क्लास के पीठ और छाती में छुरा मारा है। इसी मिडिल क्लास से पीएम मोदी ने कोविड के समय थाली बजवाई और मोबाइल की फ्लैश लाइट जलवाई। अब मिडिल क्लास कांग्रेस की तरफ आ रहा है। मिडिल क्लास आपको छोड़ रहा है, हम चक्रव्यूह तोड़ेंगे। देश में युवा, किसान सब डरे हुए हैं। चक्रव्यूह के बारे में पता लगा है। 21वीं सदी में एक नया चक्रव्यूह तैयार हुआ है। कमल के फूल के शेप में होता है। मोदी लोट्स के शेप में हैं। मोदी ने अपनी छाती पर सजा कर रखा है। किसानों ने सरकार से लीगल गारंटी योजना मांगी थी, लेकिन सरकार ने उनकी मांग नहीं मानी। किसान लंबे समय से सडक़ पर आंदोलन कर रहे हैं। बीते दिनों वे मुझसे मिलने आए, लेकिन उन्हें यहां आने नहीं दिया गया। राहुल ने कहा कि अगर सरकार बजट में एमएसपी का प्रावधान कर देती तो किसान इस चक्रव्यूह से निकल सकते थे। मैं विपक्षी गठबंधन की तरफ से कहना चाहता हूं कि हमारी सरकार बनने पर किसानों को एमएसपी दी जाएगी।

## राहुल गांधी की इस बात पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पीटा माथा, हंसती रही मंत्री

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संसद में मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला। इस दौरान राहुल गांधी ने लोकसभा में बजट की हलवा सेरेमनी की एक तस्वीर दिखाई। उन्होंने तस्वीर दिखाते हुए कहा कि इसमें आपको एक भी ओबीसी, दलित, जनजाति या फिर अल्पसंख्यक अधिकारी नहीं दिखेगा। वह कहते हैं कि देश का हलवा बंट रहा है और उसमें 73 फीसदी लोग शामिल ही नहीं है। कुल 20 अफसरों ने बजट को तैयार किया, जिसमें 1 ओबीसी और 1 अल्पसंख्यक है, लेकिन इस तस्वीर में को वो भी शामिल नहीं हैं। राहुल गांधी की इस बात पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण माथा पीटती दिख रही हैं। वह हंसते हुए अपने दोनों हाथ माथे पर मारती हैं।

इस पर राहुल गांधी ने कहा कि यह हंसने का मामला नहीं है। देश के ओबीसी, दलित और आदिवासी से जुड़ा मसला है। देश के बजट की हलवा सेरेमेनी में दो से तीन फीसदी लोग ही दिखते हैं और यह हलवा इतने ही लोगों को बंटता है। राहुल ने कहा कि यह हंसने का विषय नहीं है।

## राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन को सीएम विष्णुदेव साय ने सुदीर्घ और स्वस्थ जीवन की दी शुभकामनाएं

**रायपुर (विश्व परिवार)।** राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन से आज राजभवन में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सौजन्य मुलाकात कर उनके सुदीर्घ और स्वस्थ जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं। श्री साय ने कहा कि राज्यपाल श्री हरिचंदन के मार्गदर्शन में प्रदेश ने प्रगति के नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने आशा व्यक्त कि राज्यपाल का स्नेह इसी प्रकार उन्हें और छत्तीसगढ़वासियों को मिलता रहेगा। इस अवसर पर राज्यपाल श्री हरिचंदन को मुख्यमंत्री श्री साय ने पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। राज्यपाल श्री हरिचंदन ने महाप्रभु श्री जगन्नाथ से मुख्यमंत्री सहित प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि की कामना की।

## राजभवन में विदाई समारोह : राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन को दी गई भावभीनी विदाई

**रायपुर (विश्व परिवार)।** राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन को आज यहां राजभवन परिवार द्वारा भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन ने राजभवन परिवार के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए अपने कार्यकाल के विभिन्न पलों को याद किया और राजभवन परिवार के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव श्री यशवंत कुमार, विधिक सलाहकार श्री भीष्म प्रसाद पाण्डेय सहित राजभवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर राज्यपाल को राजभवन परिवार की ओर से शाल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

राज्यपाल श्री हरिचंदन ने कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ के विभिन्न इलाकों का दौरा किया और यहां लोगों की मेहनत, समर्पण और साहस को नजदीक से देखा। यहां की भूमि न केवल प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है बल्कि छत्तीसगढ़ के लोग भी अत्यंत सरल, सहज होते हैं। सभी लोगों ने जो स्नेह और सम्मान दिया है उसे भूलना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान कई महत्वपूर्ण योजनाओं एवं नीतियों को लागू किया गया। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भी गुणवत्तायुक्त, अध्ययन-अध्यापन हो जिससे विद्यार्थियों का भविष्य बेहतर हो सके यह उनकी कोशिश रही। विश्वविद्यालयों में समय पर दीक्षांत समारोह करने के निर्देश दिये। कुलाधिपति के रूप में उन्होंने सदैव विद्यार्थियों को राष्ट्र की सेवा करने एवं गरीब, शोषित व वंचित वर्ग के लिए कार्य करने हेतु प्रेरित किया। सबका अधिकार उनको मिलना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि आम लोगों के अधिकार की रक्षा के लिए वे हमेशा संघर्ष करते रहे है। जहां भी अन्याय देखा उसके विरूद्ध खड़े हो गये। समाज में व्याप्त अन्याय, शोषण को दूर करना आप सभी का भी कर्तव्य है।

राज्यपाल वश्वभूषण हरिचंदन ने कहा कि पर्यावरण प्रदूषण आज विश्व की बड़ी समस्या है। इसके लिए हम सभी को जागरूक होना पड़ेगा। पर्यावरण को साफ रखने के लिए सभी को पेड़ लगाना चाहिए। यदि आप ऐसा करते है तो यह पर्यावरण एवं मानवता की बड़ी सेवा होगी। श्री हरिचंदन ने कहा कि वे छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के रूप में संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहे। राजभवन के दरवाजे सदैव सभी के लिए खुले रहे। उन्होंने यह हमेशा प्रयास किया कि राजभवन सरकार और जनता के बीच एक मजबूत पूल बन सकें। सबकी सहभागिता और समर्थन से यह संभव हो पाया।

इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव श्री यशवंत कुमार ने कहा कि श्री हरिचंदन ने अपने ज्ञान व अनुभव से हमारा सतत् मार्गदर्शन किया। उनकी संवेदनशीलता उनके कार्यो से परिलक्षित होती थी। अपनी समस्या लेकर आने वाले लोगों से आत्मीयता से मिलते और समस्या के त्वरित निराकरण के लिए निर्देश देते थे। समस्या के समाधान में कोई दिक्कत आने पर उसका भी निराकरण करते थे। उनकी सक्रियता से हमे भी प्रेरणा मिलती थी। उनके सुदीर्घ और स्वस्थ जीवन के लिए श्री यशवंत कुमार ने शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर उपसचिव श्रीमती हिना अनिमेष नेताम ने आभार प्रदर्शन किया। समारोह में राज्यपाल के परिसहाय द्वय श्री सुनील शर्मा, श्री निशांत कुमार एवं राजभवन के सभी अधिकारी-कर्मचारियों उपस्थित थे।

## दो हिस्सों में बंटी संपर्क क्रांति एक्सप्रेस ट्रेन, डिब्बों से अलग हुआ इंजन

**समस्तीपुर (आरएनएस)।** बिहार के समस्तीपुर में सोमवार को एक बड़ा रेल हादसा टल गया है। दरअसल, दरभंगा से नई दिल्ली जा रही बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस ट्रेन दो हिस्सों में बंट गई। इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

यह घटना समस्तीपुर-मुजफ्फरपुर रेलखंड के खुदीराम बोस पूसा रेलवे स्टेशन के पास हुई। रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचकर इंजन से डिब्बों को जोड़ने के कार्य में जुट गए। इस घटना के कारण ट्रेन यातायात प्रभावित हुआ। हालांकि, रेलवे के अधिकारियों ने जल्द ही स्थिति को सामान्य कर दिया। इस हादसे के बाद ट्रेन में सवार यात्रियों के बीच अफरा तफरी का माहौल हो गया। लोको पायलट ने अपनी सूझबूझ का परिचय देते हुए ट्रेन को रोक दिया और नजदीकी स्टेशन मास्टर को जानकारी दी। इसके बाद टेक्निकल टीम मौके पर पहुंची और ट्रेन के टूटे हुए कपलिंग को ठीक कर आगे के लिए रवाना किया।

ट्रेन के अलग होने की खबर मिलते ही रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचे। इस दौरान मौके पर ग्रामीणों की भी भीड़ लग गई। सोनपुर रेल मंडल के एक अधिकारी ने बताया कि इंजन और डिब्बों को जोड़ने वाला कपलिंग के टूटने के कारण यह हादसा हुआ। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, ट्रेन को ठीक करके दिल्ली के लिए रवाना कर दिया गया है।

## डिप्टी सीएम साव ने चार नवगठित नगर पालिकाओं में "मोर संगवारी" योजना का किया विस्तार

**मोर संगवारी एप को किया लांच, नागरिक घर बैठे ले सकेंगे 27 सेवाओं का लाभ**

**रायपुर (विश्व परिवार)।** उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज लोरमी में प्रदेश की चार नवगठित नगर पालिकाओं मंदिर हसौद, बांकी मोंगरा, लोरमी और पंडरिया में 'मोर संगवारी' योजना का विस्तार किया। उन्होंने लोरमी के मानस मंच में आयोजित कार्यक्रम में मोर संगवारी एप भी लांच किया। इस योजना के माध्यम से नागरिकों को जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, विवाह पंजीयन, दुकान एवं स्थापना पंजीयन, राशन कार्ड, आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र सहित 27 प्रकार की सुविधाएं घर पहुंचकर प्रदान की जाएंगी।

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने लॉन्चिंग कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शासकीय कार्यालयों से नागरिक सेवाएं घरों तक पहुंचाने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप चरणबद्ध रूप से मोर संगवारी योजना का विस्तार किया जा रहा है। इसमें 27 तरह की सेवाएं नागरिकों को बिना किसी व्यवधान और कार्यालय जाए बिना उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि जब से प्रदेश में श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार बनी है, तब से कामकाज में तेजी आई है। सभी वर्गों के विकास के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। हमारा संकल्प है, जिस छत्तीसगढ़ को हमने बनाया है, उसे संवारने का काम भी हम करेंगे।

## छत्तीसगढ़ में वी-गार्ड के प्रथम एक्सक्लूसिव स्टोर "आदिनाथ इलेक्ट्रिकल्स" का भव्य शुभारंभ

**रायपुर (विश्व परिवार)।** छत्तीसगढ़ में होम अप्लायंसेज के मार्केट को और ज्यादा विस्तार देने की के लिए एमजी रोड रायपुर में वी-गार्ड का प्रथम एक्सक्लूसिव शोरूम आज से ग्राहकों के लिए खुल गया है, विभिन्न शहरों से पधारे कंपनी एग्जीक्यूटिव्स भी आज इस शोरूम के उद्घाटन में पहुंचे, उन्होंने बताया कि की वी-गार्ड भारतीय इलेक्ट्रिकल्स और घरेलू उपकरण निर्माता कंपनी है, जिसका मुख्यालय कोच्चि में है, जो की अफॉर्डेबल प्राइस में ग्राहकों को होम अप्लायंसेज उपलब्ध कराती है व स्वयं उन्हें मैन्युफैक्चर भी करती है।

नवीन शोरुम आदिनाथ इलेक्ट्रिकल्स के संचालक श्री राजीव जैन गोईल ने बताया कि वी-गार्ड कंपनी वोल्टेज स्टेबलाइजर, इलेक्ट्रिकल केबल, इलेक्ट्रिक पंप, इलेक्ट्रिक मोटर, गीजर, सोलर वॉटर हीटर, इलेक्ट्रिक पंखे और यूपीएस आदि बनाती है जिसकी सारी रेंज उनके शोरूम में उपलब्ध रहेगी।

सभी अतिथियों का स्वागत श्री राजीव गोईल, श्री संजीव गोईल, श्री अमित गोईल, श्री संस्कार गोईल आदि समस्त गोईल जैन परिवार ने किया।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, मंगलवार 30 जुलाई 2024
www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com


## संक्षिप्त समाचार

### पीएससी एवं व्यापम प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए नि:शुल्क कोचिंग, अभ्यर्थी 10 अगस्त तक कर सकते है आवदेन

**बलौदाबाजार ( विश्व परिवार )।** कलेक्टर दीपक सोनी के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन बलौदाबाजार-भाटापारा द्वारा जिला खनिज न्यास के सहयोग से विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के तैयारियों के लिए नवप्रेरणा नि:शुल्क कोचिंग सेंटर का संचालन किया जा रहा है। जिसके लिए नवीन बैच की कक्षाएं 16 अगस्त से प्रारंभ की जाएगी एवं इसके लिए इच्छुक अभ्यर्थियों से 10 अगस्त तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन मंगाए गये है। नि:शुल्क कोचिंग में अध्ययन के लिए न्युनतम योग्यता किसी भी विषय में स्नातक होना अनिवार्य है। स्नातक अंतिम वर्ष में अध्ययनरत विद्यार्थी भी कोचिंग में अध्ययन का लाभ ले सकते है। विद्यार्थियों का चयन पहले आओ,पहले पाओ के आधार पर होगा। कोचिंग में अध्ययन के लिए आवेदन फार्म जिला ग्रंथालय बलौदाबाजार, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छग) में प्रात: 10 बजे से सायं 5 बजे जमा कर सकते है। आवेदन फार्म के साथ स्नातक की अंकसूची की छायाप्रति तथा स्नातक अंतिम वर्ष में अध्ययनरत विद्यार्थी स्नातक द्वितीय वर्ष की अंकसूची की छायाप्रति के साथ आधार कार्ड की छायाप्रति तथा 01 फोटो संलग्न करना अनिवार्य है। कोचिंग से संबंधित अधिक जानकारी के लिए कोचिंग संचालन प्रभारी राजेन्द्र कुमार मानिकपुरी मो.90392-67277 से सम्पर्क किया जा सकता है।

### रात में सोने के 20 मिनट पूर्व बच्चों को मोबाइल से दूर करें : मुकेश शाह

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** रात में 11 बजे के बाद मोबाइल के उपयोग से बच्चों पर बहुत बुरा असर पड़ता है क्योंकि इस समय से लेकर सुबह तक इसकी तरंगों का असर ज़्यादा होता है जिससे आंखों पर और



विचारों पर बहुत दुष्प्रभाव होता है। रात को सोने के बीस मिनट पूर्व मोबाइल को स्विच ऑफ करके बिस्तर से दूर रखना चाहिए। यदि मोबाइल में कोई बहुत आवश्यक कार्य हो तो बिस्तर से परे हटकर उसमें अपना काम करके फिर मोबाइल को अपने सिर से कम से कम तीन फिट दूर रखकर सोना चाहिए। उक्ताशय का विचार मोबाइल की लत से बच्चों को कैसे बचाएं विषय पर अभिभावकों को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता के तौर पर मुकेश शाह ने व्यक्त किए। श्री दशा सोरठिया वणिक समाज के पूर्वी विभाग द्वारा मोहन पैलेस, टाटीबंध में आयोजित इस कार्यक्रम में रायपुर के अलावा दुर्ग, बिलासपुर, राजनांदगांव, नागपुर, मुंबई, राजकोट, जगदलपुर से समाज के प्रतिनिधि शामिल हुए। वक्ता मुकेश शाह ने कहा कि सुबह भी उठने के बाद तुरंत बाद नहीं बल्कि आवश्यक हो तो बीस मिनट बाद ही मोबाइल का उपयोग करें। मोबाइल की लत से बच्चों की नींद पूरी नहीं हो रही है जिसका सीधा असर उनके शरीर पर पड़ रहा है। माता पिता भी घर में बच्चों के सामने ज़्यादा मोबाइल में ना रहे।

## केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने की NCORD की 7वीं शीर्षस्तरीय बैठक की अध्यक्षता और राष्ट्रीय नारकोटिक्स हेल्पलाइन 'MANAS' की शुरुआत




**नई दिल्ली ( विश्व परिवार )।** केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने हाल ही में नार्को कॉर्डिनेशन सेंटर यानि NCORD की 7वीं शीर्षस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस मौके पर शाह ने राष्ट्रीय नारकोटिक्स हेल्पलाइन पोर्टल 'MANAS' की शुरुआत की। MANAS के तहत एक टोल-फ्री नंबर 1933, एक वेब पोर्टल, एक मोबाइल ऐप और उमंग ऐप होगा ताकि देश के नागरिक, नशीली दवाओं की तस्करी पर जानकारी साझा करने या नशीली दवाओं के दुरुपयोग, नशामुक्ति और पुनर्वास जैसे मुद्दों से संबंधित सलाह लेने के लिए गुमनाम रूप से चौबीसों घंटे NCB से जुड़ सकें।

नशा मुक्त भारत के निर्माण में जुटे अमित शाह ने स्पष्ट किया कि सरकार, एजेंसियाँ और देश की 130 करोड़ जनता मिलकर ही नशे के खिलाफ लड़ाई में जीत हासिल कर सकती है। इस बात पर भी जोर दिया गया कि जब तक देश का 35 वर्ष से कम उम्र का हर नागरिक इस लड़ाई को लड़ने और 35 वर्ष से अधिक आयु वाला हर नागरिक मार्गदर्शन का संकल्प नहीं करता तब तक नशे के खिलाफ लड़ाई को जीतना मुश्किल है।

आजादी के बाद दशकों तक देश पर राज करने वाली कांग्रेस की सरकार ने ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई में कोई कदम नहीं उठाया। बल्कि देखा जाए तो कांग्रेस की सरकार में ड्रग्स का अवैध व्यापार लगातार फलता-फूलता रहा और परिणाम यह हुआ कि ड्रग्स का पूरा व्यापार नार्को टेरर के साथ जुड़ गया। आज ड्रग्स की कमाई से आने वाला पैसा देश की सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर खतरा बन गया है। लेकिन, साल 2019 में लगातार दूसरी बार प्रधानमंत्री बनते ही मोदी जी ने ड्रग्स के व्यापार को जड़ से खत्म करने के लिए इसकी कमान भारतीय राजनीति के चाणक्य अमित शाह को सौंप दी। इसके साथ ही, एक नए सुबह का आगाज हुआ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में पिछले पाँच साल में गृह मंत्रालय ने Whole of Government Approach के साथ स्ट्रक्चरल रिफॉर्म्स, इंस्टीट्यूशनल और इंफॉर्मेशनल रिफॉर्म्स के तीन स्तंभों के आधार पर इस लड़ाई को लड़ने का अभूतपूर्व प्रयास किया है। यदि आँकड़ों का अध्ययन किया जाए तो स्पष्ट पता चलता है कि जहाँ साल 2004 से साल 2014 तक 5,933 करोड़ रूपए मूल्य की 1,52,000 किलोग्राम ड्रग्स जब्त की गई थी, वहीं साल 2014 से साल 2024 के दस साल में 22,000 करोड़ रूपए से भी अधिक मूल्य की 5,43,000 किलोग्राम ड्रग्स जब्त की गई है।

मोदी जी ने 2047 तक भारत को हर क्षेत्र में सर्वप्रथम बनाने का लक्ष्य रखा है, लेकिन देश की जनता यह जानती है कि उसकी प्राप्ति युवा पीढ़ी को ड्रग्स के अभिशाप से दूर रखकर ही संभव है। युवा पीढ़ी और खासकर देश की भावी पीढ़ी के लिए ड्रग्स को सबसे बड़ा दुश्मन मानने वाले शाह ने इसके पूरे इको सिस्टम को ध्वस्त करने के लिए सभी एजेंसियों और राज्य की पुलिसों को स्पष्ट निर्देश दिया है। ड्रग्स की सप्लाई के प्रति ruthless, डिमांड रिडक्शन के प्रति strategic और हार्म रिडक्शन के लिए human अप्रोच रखने वाले अमित शाह ने ड्रग्स के कारोबारियों को स्पष्ट चेतावनी दी है कि भारत में एक भी ग्राम ड्रग्स न कहीं से आएगा और न ही भारत की सीमाओं को ड्रग्स के व्यापार के लिए इस्तेमाल होने दिया जाएगा।

मोदी सरकार में शाह की नीतियों के तहत एजेंसियाँ अब Need to Know के सूत्र पर नहीं बल्कि Duty to Share के सूत्र पर जोर-शोर से काम कर रही हैं। नए भारत के निर्माता अमित शाह ने यदि ठान लिया है तो आने वाले वर्षों में नशा मुक्त भारत का निर्माण तय है।

## सामाजिक संगठनों ने पौधारोपण कर दिया हरियाली का संदेश



**आरंग ( विश्व परिवार )।** रविवार को नगर के सामाजिक संगठन पीपला वेलफेयर फाउंडेशन और रानी पद्मावती महिला संगठन ने मिलकर कलई रोड मंडी से संलग्न स्थित मैदान में पीपल और बरगद लगाकर हरियाली का संदेश दिया। वहीं फाउंडेशन के संयोजक महेन्द्र पटेल ने बताया कि पीपला फाउंडेशन के सदस्यगण लगातार नगर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में तन मन धन लगाकर कार्य कर रहे हैं। सोसल मीडिया के माध्यम से भी पौधरोपण व उनकी संरक्षण के लिए अपील कर रहे हैं। ज्ञात हो कि गत दिवस भी यह संगठन भाजपा मंडल परिवार के साथ मिलकर नगर में 700 पौधे रोपित किए हैं। जिसकी लगातार देखरेख कर रहे। वहीं पौधरोपण में प्रमुख रूप से कोमल लाखोटी, महेन्द्र पटेल, अभिमन्यु ने साहू, संजय मेश्राम, रमेश देवांगन, यादेश देवांगन, पद्मावती महिला संगठन से पुष्पांजलि मोहंती ने भाग लिया।

## सि. चक्रेश जैन दिवंगत, अंतेष्ठि आज



**झांसी ( विश्व परिवार )।** गुसाईपुरा निवासी कीर्तिशेष सि. छोटेलाल (खिसनी वालों) के ज्येष्ठ पुत्र श्री चक्रेश कुमार जैन का लगभग 84 वर्ष की आयु में निधन हो गया । आपने दैनिक भास्कर में अपनी सेवाए दी। उनकी अंतिम यात्रा 30 जुलाई को प्रात काल 11 बजे निज निवास गुसाईपुरा से बड़ा गांव गेट बाहर मुक्तिधाम के लिए जाएगी।

दैनिक विश्व परिवार दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिवार को धैर्य हेतु ईश्वर से प्रार्थना करता है।

## प्राचीन तीर्थ, मंदिर मूर्तियां हमारी अनमोल धरोहर, प्राचीन क्षेत्रों की धरोहर के संरक्षण और संवर्द्धन के लिए आगे आएं : जम्बूप्रसाद जैन राष्ट्रीय अध्यक्ष

### तीर्थक्षेत्र कमेटी की बैठक में ललितपुर व झांसी जनपद के तीर्थों के पदाधिकारी हुए शामिल

### तीर्थों के विकास और संरक्षण पर हुआ मंथन, ललितपुर-झांसी में बिखरी पडी हैं हमारी अमूल्य विरासत : जवाहर लाल जैन



**ललितपुर ( विश्व परिवार )।** अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी एवं उत्तर प्रदेश - उत्तरांचल तीर्थक्षेत्र कमेटी के पदाधिकारियों ने झांसी व ललितपुर जनपद के जैन तीर्थक्षेत्रों के पदाधिकारियों की साथ एक महत्वपूर्ण बैठक देवोदय अतिशय क्षेत्र देवगढ़ में आयोजित की गई, जिसमें तीर्थों के संरक्षण व संवर्धन पर मंथन किया गया।आयोजन का शुभारंभ चित्र अनावरण तथा दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुआ। मंगलाचरण मनोज शास्त्री ने किया। आयोजन के पूर्व इस मौके पर आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज एवं गणाचार्य श्री विराग सागर जी को विनयांजलि समर्पित की गई।

इस मौके पर आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज एवं गणाचार्य श्री विराग सागर जी को विनयांजलि समर्पित की गई।इस मौके पर आयोजन में मुख्य अतिथि अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रेष्ठी जम्बूप्रसाद जैन गाजियाबाद ने कहा कि भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी शताधिक वर्ष पुरानी प्रमुख संस्था है। जो तीर्थों के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। तीर्थक्षेत्र, मंदिर हमारी संस्कृति, आस्था के प्रतीक हैं। बुंदेलखंड में हमारी विरासत बिखरी पड़ी है। इन प्राचीन क्षेत्रों की धरोहर के संरक्षण और संवर्द्धन के लिए सभी को आगे आना चाहिए।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी उत्तर प्रदेश- उत्तरांचल के अध्यक्ष जवाहरलाल जैन ने कहा कि ललितपुर झांसी में अनेक प्राचीन ऐतिहासिक विरासत समेटे अतिशय व सिद्ध क्षेत्र हैं। ये हमारी विरासत की अमूल्य धरोहर और हमारी पहचान हैं। देवगढ़ विश्व प्रसिद्ध अमूल्य विरासत है। उन्होंने गतिमान योजनाओं की जानकारी दी।प्रागैतिहासिक तीर्थक्षेत्र नवागढ़ के निर्देशक ब्र0 जयकुमार निशान्त ने कहा कि जनपद में जगह-जगह प्राचीन तीर्थक्षेत्र हैं, ये हमारी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान हैं। सांध्य महालक्ष्मी के संपादक शरद जैन दिल्ली ने कहा कि प्राचीन धरोहरों को सुरक्षित, स्वच्छ रखना प्रत्येक व्यक्ति का कर्त्तव्य है। अपनी अमूल्य धरोहर के संरक्षण के लिए हमेशा जागरूक रहना चाहिए। हमारे संतों को तीर्थों पर चातुर्मास करना चाहिए ताकि उनका संरक्षण और विकास हो सके।अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी उत्तर प्रदेश -उत्तरांचल के उपाध्यक्ष अनिल जैन अंचल ने स्वागत भाषण प्रस्तुत कर सभी का स्वागत किया।अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी उत्तर प्रदेश-उत्तरांचल के मंत्री डॉ0 सुनील संचय ने आयोजन की प्रस्तावना रखते हुए कहा कि ये तीर्थ, मंदिर, मूर्तियां हमारे अतीत के गौरव हैं। इनसे ही हमारी पहचान है। तीर्थों के संरक्षण के लिए तीर्थ संरक्षण गुल्लक योजना और तीर्थ संरक्षण कलश स्थापना चालू करने का आह्वान किया। तीर्थक्षेत्र कमेटी उत्तर प्रदेश- उत्तरांचल कमेटी की प्रचार मंत्री श्रीमती मीनू जैन गाजियाबाद ने तीर्थक्षेत्र कमेटी द्वारा बनाई जा रही विभिन्न तीर्थों की डॉक्यूमेंट्री फिल्म की जानकारी देते हुए बताया कि ललितपुर जनपद में अभी अतिशय क्षेत्र बानपुर की डॉक्यूमेंट्री बनकर तैयार हो गयी है।कमल जैन महामंत्री दिगम्बर जैन पंचायत समिति झांसी ने अनेक सुझाव और विचार रखे। संचालन उत्तर प्रदेश उत्तराखंड तीर्थक्षेत्र कमेटी के महामंत्री मनोज जैन मेरठ तथा आभार देवोदय तीर्थक्षेत्र देवगढ़ के महामहिम/ महामंत्री संजीव जैन सीए ने किया। इस मौके पर देवोदय अतिशय क्षेत्र के उपाध्यक्ष भूपेन्द्र जैन चाचा जी, अरविंद जैन सह मंत्री, कमल जैन महामंत्री दिगम्बर जैन पंचायत समिति झांसी, चौधरी जितेंद्र जैन झांसी, भागचंद्र जैन मंत्री अतिशय क्षेत्र करगुंवा, झांसी, राजेन्द्र जैन थनवारा अध्यक्ष अतिशय क्षेत्र अतिशय बालाबेहट आदि को भेंट किए।

## सिद्ध क्षेत्र पावागिरि प्रबंध कार्यकारिणी के चुनाव में तीसरी बार ज्ञानचंद्र पुरा अध्यक्ष और जयकुमार कन्धारी मंत्री बने

### विकास भंडारी संयुक्त मंत्री, आकाश चौधरी उपमंत्री, विनोद वैरागी प्रचार मंत्री एवं उत्तम चंद्र बबीना कोषाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित

### पंकज जैन कड़ेसरा और अजय जैन विरधा ऑडीटर पद पर जीते



**अमन और विशाल जैन पवा उपाध्यक्ष पद पर जीते**

**ललितपुर ( विश्व परिवार )।** बुंदेलखंड के प्रसिद्ध सिद्ध क्षेत्र पावागिरि की प्रबंध कार्यकारिणी का चुनाव निर्विघ्न संपन्न हुआ। जिसके लिए चुनाव अधिकारी एडवोकेट नीरज मोदी एवं अरविन्द जैन जमादार ललितपुर ने पूर्व में सूचना जारी करते हुए निकटवर्ती ग्रामों से 51 सदस्यों की अंतिम सूची प्रकाशित की। 26 जुलाई को निर्धारित 10 पदों और 11 कार्यकारिणी सदस्यों के लिये नामांकन पत्रों की बिक्री की गयी। 27 जुलाई को चुनाव प्रक्रिया पारदर्शिता के साथ संपन्न की गयी। 5 पद पर हुए चुनाव में 49 सदस्यों ने अपने मत का प्रयोग किया। जिसमें 33 मत प्राप्त कर ज्ञानचंद्र पुरा तीसरी बार अध्यक्ष पद पर विजयी रहे, डॉ. महेंद्र जैन को 16 मत मिले। वहीं 31 मत लेकर अमन जैन एवं 28 मत लेकर विशाल जैन पवा उपाध्यक्ष पद पर विजयी रहे, सौरभ जैन को 18 और प्रदीप जैन गुंदेरा को 21 मत प्राप्त हुए। ऑडिटर पद पर पंकज भंडारी कड़ेसरा 30 मत, अजय जैन विरधा 29 मत लेकर विजयी रहे, अरविन्द जैन विरधा को 25 मत मिले। शेष पदों में जयकुमार जैन कन्धारी तीसरी बार मंत्री, विकास भंडारी दूसरी बार संयुक्त मंत्री, आकाश चौधरी उपमंत्री, विनोद वैरागी प्रचार मंत्री एवं उत्तम चंद्र बबीना द्वारा कोषाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित हुए। कार्यकारिणी सदस्य में मोदी देवेंद्र जैन, प्रीतेश जैन पवैया, कमलेश जैन सिर्सी, अनिल जैन चौधरी, अभिषेक मिठ्या, आदेश जैन गेवरा, निर्मल कुमार, सोनल जैन, पंकज भण्डारी, अमित जैन कड़ेसरा, अरविन्द जैन विरधा निर्विरोध निर्वाचित हुए। चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष संपन्न कराने में सुनील जैन आबू, पं. नितिन जैन, मनीष जैन मंगू, नीलेश सिंघई, अनिल जैन, स्वतंत्र इमलिया, जितेंद्र जैन चिल्ला, नीलेश खरे, अंकित बजाज गौरव, अजय जैन सर्वोदय आदि का सक्रिय सहयोग रहा। अंत में अध्यक्ष ज्ञानचंद्र जैन पुरा ने सभी का आभार व्यक्त किया। -**अक्षत जैन पवा**

**कार्यालय नगर पालिका परिषद कुम्हारी, जिला- दुर्ग (छ.ग.)**

**।। दावा आपत्ति सूचना ।।**

क्रं. / 610 / राज.वि. / नामां. / 2024
कुम्हारी, दिनांक 26/07/2024

नगर पालिका परिषद कुम्हारी में अपने स्वयं के भवन/भूमियों को क्रय-विक्रय किया जाकर नगर पालिका अभिलेख में नाम परिवर्तन करने हेतु निम्नानुसार आवेदन प्राप्त हुआ है। उक्त प्रकरणों पर नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 150 के तहत् नामांतरण किये जाने पर यदि किसी भी व्यक्ति / संस्था / समुदाय को आपत्ति हो तो इस सूचना के समाचार पत्र में प्रकाशन होने की तिथि से 30 दिन के अन्दर लिखित में नगर पालिका कार्यालय में अपना दावा / आपत्ति आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। भवन/भूमि नामांतरण संबंधी विवरण निम्नानुसार है :-

**हस्तांतरणकर्ता का नाम व पता-** श्री राजू संभकर, वार्ड क्रं.-14, कुम्हारी, जिला- दुर्ग (छ.ग.)।

**हस्तांतरिती का नाम व पता-** श्री सूर्यवर्धन रामदास पाटिल पिता श्री रामदास पाटिल, वार्ड क्रं.-14, कुम्हारी, जिला-दुर्ग (छ.ग.)।

**भवन/भूमि का विवरण-** खसरा क्रं.-352/1,एम. आई.जी. 1/240 क्षेत्रफल 24.68 वर्ग मीटर, हाउसिंग बोर्ड कालोनी वार्ड क्रं.-14 कुम्हारी, जिला- दुर्ग (छ.ग.)।

**नामांतरण का आधार-** विक्रय अभिलेख के आधार पर।

**मुख्य नगर पालिका अधिकारी**
**नगर पालिका परिषद कुम्हारी**

---

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)**
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /13436/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 29-07-2024

**इश्तिहार**

नामांतरण प्र.क्र. 13436
वार्ड का नाम- 2 - पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 2 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR802I01031 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SUSHILA DEVI पिता/पति, श्री/श्रीमती RAJKUMAR ARYA के नाम से दर्ज, जिसको श्री/श्रीमती 1. KIRAN GOYAL W/O KALURAM GOYAL 2 KALURAM GOYAL S/O PRITHVIRAJ GOYAL पिता/पति, श्री/श्रीमती 1 KIRAN GOYAL W/O KALURAM GOYAL 2 KALURAM GOYAL S/O PRITHVIRAJ GOYAL ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
**श्री अरूण ध्रुव**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रमांक-8**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

---

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)**
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./13429/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 29-07-2024

**इश्तिहार**

नामांतरण प्र.क्र. 13429
वार्ड का नाम-45-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 45 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR757E00027 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती GHANARAM S/O DHANUSHA LAL, KIRAN, REKHA, ANNAPURNA पिता/पति/श्री/ श्रीमति NA के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. किरण देवांगन, 2. रेखा देवांगन, 3. अन्नपूर्णा तिवारी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1. कुबेर देवांगन, 2. कौशल देवांगन, 3 शशिकांत तिवारी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, मलमा बिक्रीनामा, परिचय पत्र व अन्य दस्तावेज**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रमांक-4**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

---

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)**
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./13430/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 29-07-2024

**इश्तिहार**

नामांतरण प्र.क्र. 13430
वार्ड का नाम-45-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 45 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR739E00926 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती DEVESH RAHEJA पिता P.L. RAHEJA के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1 पुरूषोत्तम साहू, 2 मोहनीश केवलानी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1 टीकाराम साहू, 2 बछुमल केवलानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, मलमा बिक्रीनामा, परिचय पत्र व अन्य दस्तावेज**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रमांक-4**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

---

**कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,**
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

**आम-सूचना**

सर्व- साधारण को सूचित किया जाता है, कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा, दीनदयाल आवास योजनातंर्गत खम्हारडीह रायपुर में स्थित **एल.आई.जी. फ्लैट क्र. -370, ब्लॉक नं 16, ( तृतीय-तल ) क्रमांक- 16,** को इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 1947 दिनांक 12.05.2006 के द्वारा **श्री शारदा प्रसाद श्रीवास्तव पिता स्व. श्री राम प्रसाद श्रीवास्तव**, के नाम भाड़ाक्रय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त फ्लैट के मद में सम्पूर्ण राशि जमा कराकर इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 406 दिनांक 17.01.2011 फ्लैट का आधिपत्य प्राप्त कर लिया गया है।

वर्तमान में आबंटी **श्री शारदा प्रसाद श्रीवास्तव पिता स्व. श्री राम प्रसाद श्रीवास्तव, निवासी:- प्रोफेसर कॉलोनी, नेहरू नगर ( पश्चिम ) दुर्ग, तह व जिला-दुर्ग ( छ.ग. )** के द्वारा उक्त फ्लैट अपने पुत्र की पुत्री अनुशिका श्रीवास्तव पिता **श्री महेन्द्र कुमार श्रीवास्तव,** निवासी:- प्रोफेसर कॉलोनी, नेहरू नगर, पश्चिम भिलाई, तह व जिला-दुर्ग, के नाम पर नामांतरण करने हेतु अपना आवेदन मय शपथ पत्र, सहमति पत्र, एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त फ्लैट के नामांतरण करने के सबंध में किसी व्यक्ति शासकीय/ अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय बैंक अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन दिनांक के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

**सम्पदा अधिकारी,**
**छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,**
**सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर ( छ.ग. )**

---

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)**
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./13425/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 29-07-2024

**इश्तिहार**

नामांतरण प्र.क्र. 13425
वार्ड का नाम- 28- शहीद हेमू कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **वार्ड 28** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- RPR235G00176 जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती RAGHUNATH PANDEY पिता/पति, श्री/श्रीमती DWARIKA PRASAD PANDEY के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **डॉ. श्री संजय पाण्डेय** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता- स्व. श्री रघुनाथ प्रसाद पाण्डेय** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत / हकत्याग** वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
**श्री आर.के. डोंगरे**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रमांक- ( 2 )**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

---

**कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,**
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राज. परि., नवा रायपुर
प्रथम एवं पंचम तल व्यवसायिक परिसर (दक्षिण पूर्व कार्नर) सेक्टर-27 नवा रायपुर, अटल नगर
फोन नं.-0771-4016094
E-mail id:- em_zone2@yahoo.com

**// आम-सूचना //**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि धरमपुरा रायपुर में प्रकोष्ठ भवन कमांक **ब्लॉक नं.-45/04 भू तल,** को **श्री रविराजे खुशालराव उपाध्ये पिता स्व.श्री खुशालराव उपाध्ये,** के नाम ऑफर आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा पुर्ण राशि जमा कर रजिस्ट्री एवं आधिपत्य की कार्यवाही पुर्ण कर लिया गया है। वर्तमान में **श्री रविराजे खुशालराव उपाध्ये पिता स्व.श्री खुशालराव उपाध्ये, निवासी:- बंछोर इस्टेट, फेस नंबर-02, सत्यम विहार कालोनी, मिनी टॉकिज रोड, रायपुरा, रायपुर, तहसील व जिला- रायपुर ( छ.ग. )** के द्वारा उक्त भवन को क्रेता **श्री विनोद कुमार पैंकरा पिता श्री रामाधार पैंकरा, निवासी:- मकान नं.- 90, पिपल चौक, पोस्ट- दतान ( खैरा ) थाना-लवन, जिला- बलौदाबाजार भाटापारा ( छ.ग. )** को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी) प्रदाय करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

धरमपुरा रायपुर में प्रकोष्ठ भवन कमांक ब्लॉक नं.-45/04 भू तल, के विक्रय के सबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

**सम्पदा अधिकारी**
**छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल**
**सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना**
**नवा रायपुर, अटल नगर**

---

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)**
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./13125/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 25-07-2024

**इश्तिहार**

नामांतरण प्र.क्र. 13125
वार्ड का नाम- 4 - यतियतन लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 4 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR104B00424 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती AKHAI RAM PATEL पिता/पति, श्री/श्रीमती ... के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती 1. KARAMSHI BHAI PATEL 2. JAYA BEN PATEL 3. KESHAV LAL PATEL 4. SAMJI BHAI PATEL 5. VELJI PATEL, 6 JAYANTI LAL PATEL पिता/पति श्री/श्रीमती 1. AKHAI RAM PATEL, 2. KARAMSHI PATEL, 3. RAMJI PATEL ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत वसीयत नामा** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
**श्री हितेन्द्र यादव**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रमांक- ( 1 )**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

---

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)**
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./13260/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 26-07-2024

**इश्तिहार**

नामांतरण प्र.क्र. 13260
वार्ड का नाम- 16 - वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR107L489AV जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती VASUDEV PATEL पिता/पति, श्री/श्रीमती KHIMJI PATEL के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती VIDYAWATI MAURYA पिता/पति, श्री/श्रीमती LAL BAHAADUR MAURYA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
**श्री हितेन्द्र यादव**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रमांक- ( 1 )**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

---

**कार्यालय नगर पालिका परिषद कुम्हारी, जिला- दुर्ग (छ.ग.)**

**।। दावा आपत्ति सूचना ।।**

क्रं. / 612 / राज.वि. / नामां. / 2024
कुम्हारी, दिनांक 26/07/2024

नगर पालिका परिषद कुम्हारी में अपने स्वयं के भवन/भूमियों को क्रय-विक्रय किया जाकर नगर पालिका अभिलेख में नाम परिवर्तन करने हेतु निम्नानुसार आवेदन प्राप्त हुआ है। उक्त प्रकरणों पर नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 150 के तहत् नामांतरण किये जाने पर यदि किसी भी व्यक्ति / संस्था / समुदाय को आपत्ति हो तो इस सूचना के समाचार पत्र में प्रकाशन होने की तिथि से 30 दिन के अन्दर लिखित में नगर पालिका कार्यालय में अपना दावा / आपत्ति आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। भवन/भूमि नामांतरण संबंधी विवरण निम्नानुसार है :-

**हस्तांतरणकर्ता का नाम व पता-**
श्री राजेन्द्र मिश्रा पिता श्री फुलेल मिश्रा, वार्ड क्रं.-01, कुम्हारी, जिला- दुर्ग (छ.ग.)।

**हस्तांतरिती का नाम व पता-**
श्रीमती जमुना सिन्हा पति श्री राधेश्याम सिन्हा, वार्ड क्रं.-01, कुम्हारी, जिला-दुर्ग (छ.ग.)।

**भवन/भूमि का विवरण-**
खसरा क्रं.-380/16, क्षेत्रफल 1305 वर्ग फीट, वार्ड क्रं.-01 कुम्हारी, जिला- दुर्ग (छ.ग.)।

**नामांतरण का आधार-** विक्रय अभिलेख के आधार पर।

**मुख्य नगर पालिका अधिकारी**
**नगर पालिका परिषद कुम्हारी**

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
# विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर मंगलवार 30 जुलाई 2024



## जेलों में बंद किशोरों के पहचान के लिये किया गया कार्यशाला का आयोजन

**कोरबा(विश्व परिवार)।** राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के कुशल दिशा.निर्देशों के अनुपालन में 27 जुलाई को एडीआर भवन जिला न्यायालय परिसर कोरबा में किशोर बंदियों से संबंधित युवाओं को पुन: स्थापित करनाए जेलों में बंद किशोरों की पहचान करने और विधिक सहायता प्रदान करने के लिये अखिल भारतीय अभियान.2024 के संबंध में कार्यशाला का आयोजन श्री सत्येन्द्र कुमार साहूए माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्षए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के द्वारा अपने उद्बोधन में कहा गया कि बाल सक्षम नीति के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु बाल श्रमिक अपशिष्टए संग्राहकए भिक्षावृत्तिए मादक द्रव्यों के शिकार बच्चों के सर्वेक्षण की कार्यवाही के लिये संबंधित विभाग से जानकारी प्रदान कर सकते हैए जिनके अध्यक्ष जिला कलेक्टर विभाग से जानकारी प्राप्त किया जा सकता है या मिलना चाहिये। यदि अपराधी नाबालिक है तो उसे चिन्हांकित करे ताकि कोर्ट उस अपराधी के उम्र ;नाबालिकद्ध को देखने हुये उसकी सजा माफ कर सकती है। अज्ञानतावश या अनजाने में हो गई अपराध के लिये या कोई प्रकार का दावा न कर सके इसलिये चिन्हांकित कर बताये कि वह किशोर है या नाबालिक हैए ताकि उसके साथ कोर्ट उचित न्याय कर सकें। किशोर या नाबालिक के साथ बात बरताव को सालिनता से पेश आये और यदि वह किशोर जेल में हो उसे सही न्याय मिलना आवश्यक है जिसके लिये हमें एक कदम बढ़ाना जरूरी है। किशोर या नाबालिक के साथ सही बरताव कर उसे पुर्नवास कराने का प्रयासरत हम हमेशा करेंगे। सचिव कुण् डिम्पल के द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त अभियान का उद्घाटन माननीय सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश और नालसा के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति संजीव खन्ना ने किया। इस अभियान का उद्देश्य वर्तमान में जेल में बंद व्यक्तियों की पहचान करना होगा। जो अपराध घटित होने की तिथि पर नाबालिक विचाराधीन बंदी या दोषी होने का दावा करते हैं। जिनके किशोर होने के आवेदन या दावा लंबित है या दर्ज नहीं किया गए है। जेल में बंद सभी विचाराधीन बंदी या दोषी जो नाबालिक प्रतीत होते है या नाबालिक होने का दावा करते है जिनके किशोर होने के दावें और बालक देखरेख संस्थान सीसीआई में परिणामी स्थानांतरण के लिये आवेदन लंबित है या आवेदन नहीं किया गया है। जेल में बंद सभी व्यक्ति विचाराधीन बंदी या दोषी जिनकी उम्र जेल प्रवेश की तिथि पर जेल रिकार्ड के अनुसार 18 वर्ष से 22 के बीच थीए की स्क्रीनिंग की जाएगी। किशोर न्याय बालकों की देखरेख और संरक्षण अधिनियम 2015 का मुख्य उद्देश्य विधि से संघर्षरत बच्चों तथा देखभाल और संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों की बाल मैत्री प्रक्रिया के तहत् उनके सर्वोत्तम हितों को ध्यान में रखते हुये उनकी समुचित देखरेखए पुर्नवासए संरक्षण उपचार एवं विकास सुनिश्चित करना है। किशोर न्याय अधिनियम के अनुसार ऐसा कोई व्यक्ति जिसने 18 वर्ष की आयु पूर्ण नहीं की हैए उसे बच्चा माना जाता है। किशोर न्याय बोर्ड के अनुसार बच्चों के मूलभूत अधिकारों और जरूरतोंए पहचानए सामाजिक कल्याणए भौतिक भावनात्मक एवं बौद्धिक विकास के संबंध में लिये गये निर्णय को बच्चें का सर्वोत्तम हित माना जाता है। नेहा वर्मा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोरबा के द्वारा बताया गया कि उनके विभाग में बालिक एवं नाबालिक दोनों प्रकार के प्रकरण आते है पीड़ित पक्ष को हमारे द्वारा टारगेट करते है तथा पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने का हमेशा प्रयासरत रहते है। हमारे पास गरीब वर्ग के बच्चों के मध्यम हुए अपराध कायम होता हैए जिसमें नाबालिक बच्चें और बच्चियाँ भी शामिल होते है।

## संक्षिप्त समाचार

### दुष्कर्म के बाद करा दिया गर्भपात, गिरफ्तार

**जशुपुर(विश्व परिवार)।** जिले के तुमला थाना पुलिस के टीम ने दुष्कर्म के बाद गर्भपात करने के मामले में मां और बेटा दोनों को गिरफ्तार किया है। बता दें कि 18 वर्षीय लड़की ने परिजनों के साथ थाना में शिकायत किया कि आरोपी सुमित डनसेना द्वारा शादी करने का झांसा देकर दुष्कर्म किया, उसके बाद अनेकों बार दुष्कर्म किया गया है। प्रार्थिया उस दौरान नाबालिग थी। सुमित डनसेना के दुष्कर्म करने से प्रार्थिया गर्भवती हो गई इस बात को प्रार्थिया ने सुमित डनसेना को बताई फिर सुमित डनसेना ने गर्भवती होने की बात को अपनी मां को बताया। सुमित डनसेना ने प्रार्थिया के घर में जाकर बोला कि माँ बुलाई है, कहकर अपने घर में ले गया, जहाँ पर उसकी माँ सुमित को गर्भपात का दवाई लाने के लिये भेजी, सुमित द्वारा दवाई लेकर घर आने पर उसकी माँ जबरदस्ती प्रार्थिया को गर्भपात की गोली खिला दी, इससे प्रार्थिया का गर्भ उतर गया, अब सुमित डनसेना प्रार्थिया से शादी करने से इंकार कर रहा है। प्रार्थिया की उक्त रिपोर्ट पर थाना तुमला में उक्त अपराध धारा सदर का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण का आरोपी फरार था, जिसकी लगातार पतासाजी की जा रही थी। विवेचना के दौरान मुखबीर से पुलिस को जानकारी मिला कि सुमित डनसेना अपने बड़े भाई के ससुराल ग्राम टांगरजोर जिला सुन्दरगढ़ (ओड़िसा) में छिपा हुआ हुआ है, इस सूचना पर थाना प्रभारी तुमला निरीक्षक कोमल नेताम के नेतृत्व में तत्काल पुलिस टीम गठित कर मौके पर जाकर दबिश देकर घेराबंदी कर सुमित डनसेना को अभिरक्षा में लेकर थाना लाया गया एवं उसकी माँ को भी महिला कर्मचारियों के सहयोग से अभिरक्षा में लिया गया। पूछताछ में दोनों द्वारा अपने-अपने अपराध को घटित करना स्वीकार किये। आरोपी सुमित डनसेना 20 वर्ष एवं सरोजनी डनसेना 40 वर्ष निवासी कोरंगामाल के विरूद्ध अपराध सबूत पाये जाने पर गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

### कोरबा पुलिस की ओर से लावारिस वाहनों के निराकरण के लिए विशेष अभियान

**कोरबा(विश्व परिवार)।** कोरबा पुलिस जिले में लावारिस वाहनों के निराकरण के लिए एक विशेष अभियान चला रही है। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन में यह अभियान जोर-शोर से चल रहा है। अभी तक, कोरबा जिले में कुल 1169 लावारिस वाहनों को चिह्नित किया गया है। इनमें से कोरबा अनुभाग में 441 वाहन, दर्री अनुभाग में 402 वाहन, कटघोरा अनुभाग में 326 वाहन ये वाहन थाना और चौकी के परिसर में लावारिस हालत में खड़े पाए गए हैं। कोरबा पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाकर इन लावारिस वाहनों की जांच की जा रही है। अभियान के दौरान थाने और चौकियों में खड़े लावारिस वाहनों की जांच की जा रही है। इसके बाद, आरटीओ से वाहन स्वामियों की जानकारी प्राप्त की जा रही है और संबंधित वाहन स्वामियों से संपर्क कर उन्हें उनके वाहन सुपुर्द किए जा रहे हैं। कोरबा पुलिस की ओर से अपील की गई है कि अगर किसी वाहन मालिक का वाहन थाना या चौकी में लावारिस हालत में खड़ा है, तो वह संबंधित थाने में जाकर सूची देख सकते हैं। इसके लिए आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करके अपने वाहन को सुपुर्दनामे में ले सकते हैं।

### शिक्षा से दूर होता है जीवन का अंधकार : तोखन साहू

**बिलासपुर(विश्व परिवार)।** केंद्रीय आवासन एवं शहरी विकास राज्य मंत्री तोखन साहू ने शहीद विनोद सिंह कौशिक की स्मृति में बहतराई मेंआयोजित एक समारोह में मेधावी छात्रों को सम्मानित किया। कार्यक्रम का आयोजन शहीद विनोद सिंह कौशिक सेवा ट्रस्ट द्वारा किया गया। अतिथियों ने भारत माता, स्वामी विवेकानंद और शहीद विनोद सिंह कौशिक की छाया चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में हाई व हायर सेकंडरी स्कूल में 60 प्रतिशत से ज्यादा अंक पाने वाले लगभग 7 हजार छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में इस मौके पर विधायक अमर अग्रवाल, सुशांत शुक्ला और जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सिंह चौहान उपस्थित थे। मुख्य अतिथि की आसंदी से तोखन साहू ने कहा कि युवा हमारे देश के भविष्य हैं। उन्हें बेहतर शिक्षा दिलाना हमारा दायित्व है। शिक्षा से ही जीवन में अज्ञान रूपी अंधकार दूर होगा और ज्ञान रूपी प्रकाश फैलेगा। इसलिए कठिनाइयां उठाकर भी हमें अच्छी शिक्षा ग्रहण करने का प्रयास करना चाहिए। पढ़ाई को हमें खेल भावना से लेना चाहिए। ज्यादा तनाव न लें। जहां भी शंका हो, गुरुजनों का मार्गदर्शन लेना चाहिए। विधायक अमर अग्रवाल ने मेधावी बच्चों को सम्मानित करने के लिए आयोजित कार्यक्रम की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज भी लगभग 50त्न बच्चे 12वीं के बाद विभिन्न कारणों से कॉलेज नहीं जा पाते । इस समस्या को दूर करने के लिए सरकार ने शिक्षा ऋण में ब्याज की रियायत की घोषणा की है।

## शैक्षणिक सत्र में बेहतर परीक्षा परिणाम लाने के लिए कलेक्टर ने दिए निर्देश

**सभी व्याख्याता प्रभावी कार्ययोजना बनाकर छात्रों को कराएं अध्यापन रू कलेक्टर अजीत वसंत**

**कोरबा(विश्व परिवार)।** जिला कलेक्टर अजीत वसंत ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में गत शैक्षणिक सत्र में बोर्ड परीक्षा में गणित एवं भौतिकी विषय के कमजोर परीक्षा परिणाम वाले स्कूलों के व्याख्याताओं की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने सभी व्याख्याताओं को चालू शैक्षणिक सत्र में परीक्षा परिणाम में सुधार लाने हेतु प्रभावी कदम उठाने एवं विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बैठक में गत वर्ष 10वींए 12वीं बोर्ड परीक्षा में गणित एवं भौतिकी विषय के परीक्षा परिणामों की समीक्षा करते हुए विद्यार्थियों के रिजल्ट पर गंभीरता से ध्यान देने एवं उनका आंकलन करने के निर्देश दिए। उन्होंने व्याख्याताओं को अपनी क्षमता बढ़ानेए नवाचारी तकनीकों का उपयोग करते हुए स्कूलों में बेहतर शैक्षणिक वातावरण तैयार करने की बात कही। जिससे इस वर्ष 10वींए 12वीं के बच्चों का गणितए भौतिकी विषयो में परीक्षा परिणाम शत.प्रतिशत आए। इस हेतु सभी व्याख्याताओ को प्रभावी कार्ययोजना बनाकर अध्यापन कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर द्वारा पिछले सत्र में गणित व भौतिकी विषय के कमजोर परिणाम वाले विद्यालयों के व्याख्याताओ से कमजोर रिजल्ट आने के संबंध में जानकारी लेते हुए सम्बंधित व्याख्याताओं से चालू शिक्षा सत्र में बेहतर परिणाम लाने हेतु किए जाने वाले सुधार एवं अपनाए जाने वाले तरीको के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही ऐसे विद्यालयों जिनमें विद्यार्थियों की दर्ज संख्या अधिक तथा उत्तीर्ण होने वाले छात्रो की संख्या कम है। ऐसे व्याख्याताओं को योजना बनाकर छात्रों को तैयारी कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही कमजोर छात्रों पर विशेष ध्यान देने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में सभी व्याख्याताओं को सितंबर माह में होने वाले त्रैमासिक परीक्षा के सम्बंध में निर्देशित करते हुए रिजल्ट में सुधार लाने के निर्देश दिए गए। जिले के सभी हाई एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों में एक साथ त्रैमासिक परीक्षा ली जाएगी। जिसका पाठ्यक्रम पूर्व में ही दिया जा चुका है। इस हेतु सभी व्याख्याता पाठ्यक्रम के अनुसार अध्यापन कराना सुनिश्चित करें।

## वार्ड क्रमांक 35 में आयोजित हुआ जन समस्या निवारण शिविर

**कोरबा(विश्व परिवार)।** वार्ड क्रमांक 35 के हाउसिंग बोर्ड सामुदायिक भवन में स्थानीय वार्ड वासियों की समस्याओं का निराकरण करने नगर पालिक निगम द्वारा जनसमस्या निवारण पखवाड़ा नामक शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में नगर निगम नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल लोगों की समस्याएं सुनने एवं उनके आवेदन में सहयोग करते नजर आए। शिविर के प्रति जागरूकता दिखाते हुए बड़ी संख्या में वार्ड वासी अपनी समस्याओं के साथ आवेदन करने पहुंचे। कार्यक्रम के दौरान निगम के कर्मचारियों द्वारा उपस्थित अतिथियों का सम्मान किया गया। मंच से सभी को संबोधित करते हुए हितानंद अग्रवाल ने कहा की इस प्रकार के शिविर लगाना जनता के लिए काफी हितकर है। इस तरह काफी कुछ ऐसी समस्याएं जो यदा.कदा किसी के नजर में नहीं आती उनका भी इस शिविर के माध्यम से निराकरण हो जाता है। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि नगर निगम नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवालए एग्जीक्यूटिव इंजीनियर नाथए उपयुक्त त्रिवेदीए पूर्व एल्डरमैन सत्येंद्र दुबेए रविंद्र सोनए पूर्व एल्डरमैन अनिल मिश्राए महिला मंडल अध्यक्ष अर्चना रुणीजाए मंदाकिनी त्रिपाठीए पीण्एलण् सोनीए केण्एनण् सेठए माया दुबेए मंजू कश्यपए दीपाली विश्वासए नूतन वर्माए डीलेंद्र यादवए राजा एवं बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।

## खदान में बहे अधिकारी का शव बरामद

**कोरबा(विश्व परिवार)।** एसईसीएल की कुसमुंडा मेगा प्रोजेक्ट में शनिवार की शाम भारी वर्षा के दौरान खदान में कार्यरत 6 लोग पानी के बहाव में फंस गए। इनमें से 5 लोग सुरक्षित रूप से निकलने में सफल रहे लेकिन जितेंद्र नागरकरए सहायक प्रबन्धक ;माइनिंगद्ध पैर फिसलने के कारण पानी के बहाव में बह गए। इस हादसे के बाद वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। बचाव दल ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। रात भर की जद्दोजहद के बाद रविवार सुबह जितेंद्र नागरकर का शव बरामद किया गया। एस ई सी एल की कुसमुंडा कोयला खदान के ओव्हर बर्डन का काम गोदावरी नामक निजी कंपनी को दिया गया है। बारिश में ओव्हर बर्डन का काम निरीक्षण के लिए चार अधिकारी शनिवार 27 जुलाई की दोपहर करीब 3 बजे गोदावरी फेस पर गए थे। इनमें सीनियर अंडर मैनेजर के पद पर पदस्थ गोदावरी फेस इंचार्ज जितेन्द्र नागरकर भी शामिल थे। निरीक्षण के दौरान एकाएक बारिश शुरू हो गई तो इससे बचने के लिए चारों अधिकारी गुमटी में चले गए। करीब 5 बजे तक यहां वे रुके रहे लेकिन बारिश थमने का नाम नहीं ले रही थी। इस बीच चारों अधिकारियों ने किसी तरह यहां से निकलने की सोची। तब तक तेज बारिश के कारण खदान क्षेत्र में ऊपरी पानी का बहाव और दबाव बढने लगा था। खदान के ओल्ड केट फेस में भारी पानी आने की वजह से मिट्टी बहने लगी। इधर किनारे.किनारे चट्टानों का सहारा लेकर निकलने की जुगत में 2 अधिकारी तो सकुशल वहां से बाहर आ गए लेकिन जितेन्द्र नागरकर व एक अन्य अधिकारी बहने लगे। एक अधिकारी ने तो किसी तरह चट्टान को पकडक़र अपनी जान बचा ली लेकिन जितेंद्र नागरकर पानी और मिट्टी के बहाव में तेजी से बह गए। बाहर निकले अफसरों से सूचना मिलने पर एसईसीएल के उच्च अधिकारी मौके पर पहुंचे। प्रशासन व पुलिस के अफसरों को भी जानकारी दी गई।

## भाजपा उरगा मंडल की विस्तारित मंडल कार्यसमिति की बैठक हुई संपन्न

**कोरबा(विश्व परिवार)।** भारतीय जनता पार्टी उरगा मंडल की विस्तारित मंडल कार्यसमिति की बैठक पार्षद व नगर निगम कोरबा के नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य व मण्डल अध्यक्ष कुलसिंग कँवर के अध्यक्षता में ग्राम पंचायत भवन सेमीपाली में संपन्न हुई। बैठक में संगठन के निर्देशानुसार भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपती मुर्मू द्वारा 27 जून 2024 को संसद में दिए गए अभिभाषण का सारांश मंडल महामंत्री हरीश साहू द्वारा पढ़ कर सुनाया गया। नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर बधाई प्रस्तावना मंडल की पूर्व अध्यक्ष अविनाश कँवर ने पढ़ी।मंडल अध्यक्ष कुलसिंग कँवर ने सभी कार्यकर्ताओ को आगामी कार्ययोजना की जानकारी प्रदान की, बैठक का कुशल संचालन युवा मोर्चा मंडल किशन साव द्वारा किया गया। बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित नगर निगम कोरबा के नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल ने उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं को देश व प्रदेश डबल इंजिन की सरकार बनने पर शुभकामनाएं प्रेषित किया और प्रदेश व केंद्र सरकार की उपलब्धियों को साझा किया साथ ही आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में ज्यादा से ज्यादा सहभागिता रखते हुए अपने विचारधारा के लोगो को चुनाव जीतने हेतु प्रेरित किया। उक्त बैठक में प्रमुख रूप से नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवालए वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता ओमप्रकाश जालानए भाजपा उरगा मंडल अध्यक्ष कुलसिंग कँवरए पूर्व मंडल अध्यक्ष अविनाश कँवरए मंडल महामंत्री हरीश साहूए मनोज धिरहेए युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष किशन सावए अजय कँवरए कमलेश अनंतए रोहित सोनवानीए डेविड केशरियाए श्रवण पाटलेए तामेश्वर साहूए राजेश सक्सेनाए रामचरण राजवाड़ेए बहोरन यादवए प्रतिमा सोनवानीए दुर्गा देवीए बोधन दासए जनार्दन कँवरए प्रदीप राव व मंडल के समस्त पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## बालको ने बच्चों के लिए हृदय रोग संबंधित जांच शिविर का किया आयोजन

**बालकोनगर(विश्व परिवार)।** वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड ;बालको ने श्री सत्य साई संजीवनी अस्पतालए रायपुर के सहयोग से सोनपुरी के आंगनवाड़ी केंद्र में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर.जन्मजात हृदय रोग के लिए आयोजित किया गया। समुदाय में बच्चों के हृदय रोग संबंधित स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए शिविर में 0.14 वर्ष के बच्चों की नि:शुल्क जांच और दवाईंया दी गई। शिविर में लगभग 216 बच्चों का प्राथमिक एवं हृदय संबंधित जांच किया गया। डॉण् योगेश साठे ;बाल हृदय रोग विशेषज्ञद्धए श्री सत्य साई संजीवनी अस्पतालए रायपुर और डॉण् जया कुमार ;बाल रोग विशेषज्ञद्धए बालको अस्पताल के नेतृत्व में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों एवं सहायक स्वास्थ्य कर्मचारियों और नर्सों की एक समर्पित टीम ने आंगवाड़ी केंद्र पर बच्चों की प्राथमिक जांच की। प्राथमिक जांच ;सर्दी खांसी वजनए सांसए धमनी गतिद्ध ईसीजी एवं हाई डेफिनिशन स्टेथोस्कोप की मदद से स्क्रिनिंग के दौरान लगभग 16 बच्चों में संभावित हृदय रोग के लक्षण की पहचान की जा सकी। सभी बच्चों को बालको अस्पताल में लाकर उनका 2डी इको जांच की गई। कंपनी के सहयोग से सत्य साईं बच्चों को संभावित बच्चों का समय.समय पर निरंतर जांच करेगा। जरूरत पड़ने पर बच्चों का नि:शुल्क ईलाज भी किया जाएगा। पहल का उदेश्य प्रांरभिक दौर में ही जन्मजात हृदय रोग का पता लगाना जिससे पीड़ित शिशुओं को समय पर इलाज मिल पाए। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार ने स्वास्थ्य अभियान के प्रभाव पर कहा कि कंपनी अपने संयंत्र के आसपास के समुदायों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस पहल से जन्मजात बच्चों में दिल संबंधित रोगों को जल्द पहचान कर उनका निदान किया जा सकता है। बच्चे देश का भविष्य हैं उनके स्वास्थ्य देखभाल को सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। हमारा लक्ष्य इस क्षेत्र में चिकित्सा सेवाओं को बढ़ाना है और इसके साथ दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों और समुदाय के कमजोर वर्गों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है। डॉण् योगेश साठे ने कहा कि बालको के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित हो सका जो हमार संस्थान के लिए महत्वपूर्ण है। हमारा उदेश्य सभी जरूरतमंद को निशुल्क इलाज प्रदान करना है। डॉण् योगेश ने बताया कि जन्मजात हृदय रोग का पता लगने से हम समय रहते बच्चे का ईलाज सुनिश्चित कर पाते हैं। जागरूकता और संसाधनों को बढ़ावा देने से शिशु मृत्यु दर में कमी आएगी। इस पहल से ग्रामीण क्षेत्र में विशेष हृदय देखभाल और जाँच कार्यक्रम के बेहतर स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढाँचे की को मजबूत किया जा सकता है। बालको की मदद से समुदाय में जन्मजात हृदय रोग संबंधित जागरूकता अभियान को बढ़ावा मिला है। सोनपुरी की सरपंच श्रीमती मीना बाई कंवर ने शिविर की सराहना करते हुए कहा कि बालको और श्री सत्य साई अस्पताल के इस पहल ने हृदय रोग संबंधित स्वास्थ्य सेवाओं को हमारे दरवाजे तक पहुंचा दिया।

## संपादकीय

# किस्म-किस्म के बाबाओं ने राष्ट्र के मुख पर कालिख पोता

**प्रियंका सौरभ**

पिछले कुछ दशकों से उभरने वाले किस्म-किस्म के बाबाओं ने राष्ट्र के मुख पर कालिख पोतने का काम किया है। अपनी अनुयायी स्त्रियों के शारीरिक शोषण, हत्या-अपहरण से लेकर अन्य जघन्य अपराध करने वाले बाबाओं का प्रभाव इस कदर बढ़ता जा रहा है कि आज जनता को तो छोड़िए, सदिच्छाओं वाले राजनेता, अभिनेता, अधिकारी, बुद्धिजीवी इत्यादि वर्ग भी उनसे घबराने लगा है। आखिर, इन बाबाओं के महाजाल का समाजशास्त्र क्या है? इसी तरह सवाल यह भी है कि इनके पीछे जनता के भागने का क्या अर्थशास्त्र और मनोविज्ञान है? आजकल विभिन्न सामाजिक वगरे में अलग-अलग किस्म के अंधविश्वास प्रचलित हैं। इतने जागरूकता अभियानों के बावजूद आज भी आपको गांव-कस्बों में भूत-प्रेत के किस्से सुनने को मिल जाएंगे। वहीं हायर क्लास के अंधविश्वास अलग हैं। इस क्लास में भी असुरक्षा की भावना कम नहीं है। इस वर्ग के लोग यूं तो अत्याधुनिक होने का दावा करते हैं, लेकिन इसके बावजूद एयरकंडिशंड आश्रमों वाले गुरु ओं के यहां लाखों का चढ़ावा चढ़ाने से लेकर अपनी सफलता/असफलता की वजह लकी चार्म को मानने से भी गुरेज नहीं करते। ऐसी मान्यताएं भारत ही नहीं, बल्कि विश्व के सभी देशों में पाई जाती हैं। सवाल उठता है कि समाज में अतार्किक विचारधारा वाले इतने अधिक लोग कहां से आ गए? जवाब है, वह परवरिश और माहौल जो हम अपने बच्चों को देते हैं। शिक्षा व्यवस्था के तहत बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के उतने प्रयास नहीं हो रहे जितने होने चाहिए। संयुक्त परिवारों का टूटना और नई जीवन शैली का एकाकीपन, यांत्रिकता, तनाव आदि ऐसी स्थिति पैदा कर दी जहां हर व्यक्ति परेशान और बेचैन हो चला है। इन्हीं सामाजिक-मनोवैज्ञनिक स्थितियों के बीच लोग जाने-अनजाने ऐसे बाबाओं की ओर उन्मुख होने लगते हैं, जो लोगों को हर दुःख-तनाव से छुटकारा दिलाने का दावा करते हैं। लोगों में वहम पैदा कर फायदा उठाने की कला बाजार ने भी सीख ली है। यही वजह है कि बाजार के जन्म दिए हुए बहुत सारे त्योहार आज परंपरा के नाम पर कुछ दूसरा ही रूप ले चुके हैं। किसी त्योहार पर गहने खरीदने का प्रचलन है तो किसी पर महंगे जानवरों की कुर्बानी देने का। साधारण से रिवाज आज पूरी तरह आर्थिक रंग में रंग चुके हैं। लोग भी इन्हें मानते रहते हैं। बिना महसूस किए कि इससे नुकसान उन्हीं का हो रहा है। छोटे शहरों में आज भी पाखंडी बाबाओं और फकीरों का जाल फैला हुआ है जिनकी नेमप्लेट अक्सर इनके मल्टीटैलेंटेड होने का आभास कराती है। ये अक्सर खुद को ट्रैवल एजेंट (विदेश यात्रा करवाने का दावा), फाइनेंशियल एक्सपर्ट (फंसा हुआ धन निकलवाने का दावा), रिलेशनशिप एक्सपर्ट (प्रेम विवाह करवाने, सौतन से छुटकारा दिलाने का दावा) और मेडिकल एक्सपर्ट (एड्स, कैंसर जैसी बीमारियां ठीक करने का दावा) आदि बताते हैं। कई लोग इनके झांसे में आ भी जाते हैं, और इनका बैंक बैलेंस बढ़ाते हैं। देश में राजसत्ता-तंत्र अपने सामाजिक-आर्थिक दायित्व निभाने में अपेक्षाकृत पीछे ही रहा। दूसरी ओर, इन बाबाओं द्वारा शिक्षा और स्वास्थ्य से संबंधित कार्य किए जाने लगे। इसके साथ ही भूखों को भोजन से लेकर अन्य सामाजिक कामों में हिस्सेदारी की जाने लगी। इस क्रम में उनकी ओर से समानता का भाव स्थापित करने का काम भी किया जाने लगा। धीरे-धीरे वे लोगों के विवाद-झगड़ों का निपटारा भी करने लगे। ऐसे काम भी करने लगे जो राज सत्ता यानी शासन के हिस्से में आते थे। ऐसे कामों से उनकी लोकप्रियता बढ़ी। उनके कल्याणकारी कामों के तिलिस्म में न केवल गरीब-अभावग्रस्त और कम पढ़ी-लिखी जनता फंसी, बल्कि उनका जादू अपेक्षाकृत संपन्न और शिक्षित लोगों पर भी चला, जो जीवन की विविध जटिलताओं, सामाजिक-मानसिक समस्याओं में उलझे हुए हैं।इस तरह ये अपने अनुयायी बढ़ा कर सामाजिक वैधता हासिल करते हैं, और उसके बल पर राजनीतिक संरक्षण हासिल करने में समर्थ हो जाते हैं। बाबाओं को राजनीतिक संरक्षण देने के लिए कोई भी राजनीतिक दल पाक-साफ नहीं है। माना जाता है कि राजनीतिक पार्टियां अपना काला धन खपाने-छिपाने के लिए भी बाबा लोगों का इस्तेमाल करती हैं। चूंकि बाबाओं के पास अनुयायियों की अच्छी-खासी संख्या होती है, इसलिए राजनीतिक दलों के लिए वे वोट बैंक का भी काम करते हैं। किसी बात पर आंख मूंद कर विश्वास करने की प्रवृत्ति आज की स्मार्टफोन जेनरेशन से तर्कहीन काम तक करा सकती है। इस वर्ग के लोग आंखें मूंद कर दूसरों का अनुसरण करते हैं, और स्वविवेक का इस्तेमाल करके निर्णय नहीं ले रहे हैं। किसी काम को सिर्फ इसलिए करते हैं, क्योंकि वह सालों से होता आ रहा है, या उसे बहुत सारे लोग कर रहे हैं, और कभी नहीं सोचते कि उसकी उपयोगिता क्या है। दूसरे शब्दों में कहें तो ऐसे लोग सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक और भावनात्मक अंधविश्वासों में जकड़े होते हैं। इन लोगों का आईक्यू बेहद कम होता है, और इन्हें बेहद आसानी से प्रभावित किया जा सकता है। ये रैशनली नहीं सोचते, पर इमोशनली बेहद चार्ज्ड होते हैं। इनके दिल में आसानी से किसी चीज के लिए लगाव या नफरत पैदा की जा सकती है, और ऐसा होने पर ये किसी भी हद तक जा सकते हैं। आंख मूंद कर किया गया विश्वास न सिर्फ इनके लिए, बल्कि दूसरों के लिए भी घातक साबित होता है। कबीर की शिक्षाओं का निचोड़ यही है कि हर तथ्य पर सवाल उठाएं। जब तक खुद उसे परख न लें, तब तक उस पर विश्वास न करें। दार्शनिक प्लूटो ने भी यही कहा है कि शासक हमेशा अनबायस्ड व्यक्ति को ही होना चाहिए। दुर्भाग्य की बात है कि आज बहुत सारे लोग भीड़ का अनुसरण करने की मानसिकता से ग्रस्त हैं।इस क्लास में भी असुरक्षा की भावना कम नहीं है। इस वर्ग के लोग यूं तो अत्याधुनिक होने का दावा करते हैं, लेकिन इसके बावजूद एयरकंडिशंड आश्रमों वाले गुरु ओं के यहां लाखों का चढ़ावा चढ़ाने से लेकर अपनी सफलता/असफलता की वजह लकी चार्म को मानने से भी गुरेज नहीं करते। ऐसी मान्यताएं भारत ही नहीं, बल्कि विश्व के सभी देशों में पाई जाती हैं। सवाल उठता है कि समाज में अतार्किक विचारधारा वाले इतने अधिक लोग कहां से आ गए? जवाब है, वह परवरिश और माहौल जो हम अपने बच्चों को देते हैं। शिक्षा व्यवस्था के तहत बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के उतने प्रयास नहीं हो रहे जितने होने चाहिए। संयुक्त परिवारों का टूटना और नई जीवन शैली का एकाकीपन, यांत्रिकता, तनाव आदि ऐसी स्थिति पैदा कर दी जहां हर व्यक्ति परेशान और बेचैन हो चला है। इन्हीं सामाजिक-मनोवैज्ञनिक स्थितियों के बीच लोग जाने-अनजाने ऐसे बाबाओं की ओर उन्मुख होने लगते हैं, जो लोगों को हर दुःख-तनाव से छुटकारा दिलाने का दावा करते हैं। लोगों में वहम पैदा कर फायदा उठाने की कला बाजार ने भी सीख ली है। यही वजह है कि बाजार के जन्म दिए हुए बहुत सारे त्योहार आज परंपरा के नाम पर कुछ दूसरा ही रूप ले चुके हैं। किसी त्योहार पर गहने खरीदने का प्रचलन है तो किसी पर महंगे जानवरों की कुर्बानी देने का। साधारण से रिवाज आज पूरी तरह आर्थिक रंग में रंग चुके हैं। लोग भी इन्हें मानते रहते हैं। बिना महसूस किए कि इससे नुकसान उन्हीं का हो रहा है।

## प्रकृति से लड़कर कोई..... आज तक जीत नहीं सका

उत्तराखंड स्थित केदारनाथ में गौरीकुंड के पास पहाड़ी से पत्थर नीचे गिरने के कारण तीन लोगों की मौत वाकई दुखद है। हादसे में पांच लोग गंभीर रूप से जख्मी हैं। दरअसल, पहाड़ों में बारिशों के कारण अक्सर ही जमीन खिसकने (लैंड स्लाइड) के मामले होते रहते हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि लैंड स्लाइड होने के कारण ही यह हादसा हुआ है। हादसा रविवार सुबह हुआ। पहाड़ से बड़े-बड़े पत्थर गिरने की घटना तीन स्थानों पर हुई। गौर करने वाली बात यह है कि गौरीकुंड-जहां हादसा हुआ है-वहां से केदारनदाथ धाम तक 16 किलोमीटर लंबे पैदल यात्रा मार्ग पर कई संवेदनशील क्षेत्र हैं, जहां हल्की बारिश में ही पहाड़ से पत्थर और मलबा गिरने लगता है। यह पूरा स्ट्रेच भूस्खलन की दृष्टि से अतिसंवेदनशील है। इस मामले में कुछ ऐसा हुआ कि उस दिन भारी बारिश हो रही थी और श्रद्धालु यात्रा पर थे। उन्हें इस आशंका का भान ही न हो सका। यहां प्रशासन की जिम्मेदारी को परखना जरूरी बन जाता है। जब यह बात वहां के प्रशासन और आपदा प्रबंधन को मालूम था तो फिर यात्रियों को इसकी जानकारी देना उनका फर्ज था। वैसे भी केदारनाथ में इससे पहले कई हादसे हुए हैं। बीते आठ वर्षों में वर्षाकाल के दौरान इस मार्ग पर हादसे में 19 व्यक्तियों को जान गंवानी पड़ी। इस नाते वहां के प्रशासन को इसकी तैयारियां चौकस रखनी चाहिए थी। यह घनघोर लापरवाही का मामला है। इसकी अनदेखी नहीं होनी चाहिए थी। हालांकि अब प्रशासन अपनी साख बचाने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, मगर यह सब कवायद यात्रा शुरू होने से पहले होनी चाहिए थी। ताजा निर्देश के मुताबिक शाम 5 बजे से दूसरे दिन सूर्योदय तक केदारनाथ पैदल मार्ग पर आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। यात्रियों की भी जिम्मदारी है कि वो खुद से खतरा मोल न लें। अगर मौसम साफ है और यात्रा में कोई व्यवधान की अग्रिम सूचना नहीं है तभी आगे बढ़ा जा सकता है। प्रकृति से लड़कर कोई आज तक जीत नहीं सका है। सभी लोगों को उसके रौद्र रूप की वजहों की तलाश करनी होगी और उसका सम्मान भी करना होगा। पहाड़ी राज्यों में लोगों की जरूरत से ज्यादा आवाजाही और अंधाधुंध निर्माण के कायरे पर बहुत सोच-समझकर आगे बढ़ना होगा। प्रकृति के साथ तारतम्य बनाने और उसके अनुरूप चलने से ही जान-माल के नुकसान से बचा जा सकता है। यह बात हर किसी को अपने जेहर में रखनी होगी।

## विशेष लेख

# हर साल परीक्षाओं में अखिल भारतीय स्तर पर समस्या

**अजीत द्विवेदी**

दिल्ली विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर ने कहा है कि देश के इस सबसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में अकादमिक सत्र दो हफ्ते आगे बढ़ गया है क्योंकि केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए होने वाली अखिल भारतीय परीक्षा यानी सेंट्रल यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट, सीयूईटी के नतीजे नहीं आएं हैं। पहले से तय कैलेंडर के मुताबिक 30 जून तक नतीजे आ जाने थे। लेकिन सीयूईटी की परीक्षा का आयोजन करने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए ने 30 जून तक आंसर की भी जारी नहीं किए। आंसर की जारी होने के बाद कम से कम 10 दिन का समय लगता है अंतिम नतीजे आने में। एनटीए ने आंसर की तो जारी कर दी है लेकिन नतीजे का इंतजार अब भी हो रहा है ताकि केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दाखिले की शुरुआत हो सके। दाखिला होने के बाद ही तो अकादमिक सत्र शुरू होगा! इस बीच देश के एक दूसरे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त विश्वविद्यालय जेएनयू ने स्नात्तकोत्तर यानी पीजी में दाखिले के लिए अपनी परीक्षा अलग कराने पर विचार शुरू कर दिया है। इसका मतलब है कि एनटीए पर से उसका भरोसा डोल गया है और उसको लग रहा है कि अगर एनटीए के भरोसे रहे तो उसका भी अकादमिक सत्र धीरे धीरे पिछड़ता जाएगा। तीसरी खबर यह है कि विश्वविद्यालयों में लेक्चरर की पात्रता तय करने के लिए होने वाली यूजीसी नेट की परीक्षा अगस्त के महीने में होगी। यह परीक्षा 18 जून को हुई थी और पेपर लीक की आशंका के चलते 19 जून को परीक्षा रद्द कर दी गई थी। परीक्षा रद्द करते ही इसकी जांच सीबीआई को सौंप दी गई, जिसने बताया है कि इसका पेपर लीक नहीं हुआ था। किसी छात्र शरारतपूर्ण तरीके से एक फर्जी पेपर सोशल मीडिया में डाल दिया, जिसे एनटीए ने असली समझ कर परीक्षा रद्द कर दी। सोचें, एनटीए ने सोशल मीडिया में वायरल पेपर का यूजीसी नेट के असली पेपर से मिलान करने की जरुरत भी नहीं समझी। उसे भारत सरकार की एक एजेंसी से सूचना मिली की पेपर ऑनलाइन उपलब्ध है और उसने परीक्षा रद्द कर दी! यह अलग बात है कि नीट यूजी की परीक्षा के पेपर लीक की पुष्टि होने के बाद भी एनटीए ने उस परीक्षा को रद्द नहीं किया है और सुप्रीम कोर्ट में जी तोड़ प्रयास किया कि परीक्षा रद्द नहीं हो। दोनों परीक्षाओं के प्रति उसके अलग अलग रवैए का कारण समझना मुश्किल है। बहरहाल, प्रवेश और प्रतियोगिता परीक्षाओं की इन गड़बडियों और शिक्षा व्यवस्था पर पड़ते इनके प्रभाव को लेकर सहज रूप से पूरे देश में चिंता है। सरकार ने %एक देश, एक परीक्षा' और %एक देश, एक शिक्षा' की नीति के चक्कर में सबको मुश्किल में डाला है। ऐसा लग रहा है कि सरकार एक देश, एक सब कुछ से ऑबसेस्ड है। %एक देश, एक चुनाव', %एक देश, एक टैक्स', %एक देश, एक कानून' आदि इसी का नतीजा हैं। यह सब कुछ बिना ये सोचे हो रहा है कि भारत किसी यूरोपीय या अफ्रीकी या लैटिन अमेरिकी देश की तरह का देश नहीं है, जहां पूरी आबादी एक तरह की है और जहां एक तरह की शिक्षा, संस्कृति, भाषा, खान-पान, पहनावा प्रचलित है। भारत एक विशाल देश है, जिसमें असीमित विविधताएं हैं। यहां एक देश, एक सब कुछ का ऑब्सेशन नुकसान पहुंचाने वाला साबित हो सकता है। यह बात परीक्षा और शिक्षा दोनों के मामले में भी सही है। यहां आबादी 140 करोड़ है और एक परीक्षा में इतने लोग शामिल होते हैं, जितनी कई देशों की आबादी होती है। इसलिए इतनी बड़ी परीक्षाएं एक साथ आयोजित करने की जिद सरकार को छोड़ देनी चाहिए। मेडिकल, इंजीनियरिंग से लेकर विश्वविद्यालयों में दाखिले की जिम्मेदारी राज्यों पर छोडनी चाहिए। राज्यवार परीक्षाएं होंगी तो उनके आयोजन की जिम्मेदारी राज्यों के ऊपर होगी। दूसरे, उनमें एक बार में कम छात्र शामिल होंगे और गड़बड़ी होने पर उनका असर भी सीमित होगा। तीसरे राज्य अपनी जरुरत के हिसाब से चयन करेंगे। केंद्र सरकार को केंद्रीय एजेंसियों के जरिए सिर्फ अखिल भारतीय सेवाओं में बहाली की परीक्षाएं ही आयोजित करनी चाहिए। सिर्फ नीट यूजी की परीक्षा, जिस पैमाने पर हुई उससे समझा जा सकता है कि केंद्रीकृत परीक्षा व्यवस्था बनाने से कितनी मुश्किलें हैं। इस एक परीक्षा में 24 लाख छात्र शामिल हुए और एक बार में 4,750 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा का आयोजन किया गया।

# प्रलोभन देकर आतंकी बनाकर घुसपैठ कर दिया

**प्रमोद भार्गव**

पाकिस्तान ने एक बार फिर कश्मीर में आतंकवादी हमले तेज कर दिए हैं। धारा 370 के खात्मे के बाद घाटी के हालात में जबरदस्त सुधार देखते हुए पाकिस्तान ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। स्थानीय स्तर पर घाटी के मुस्लिम युवाओं ने आतंक की राह छोड़कर जब करियर बनाने की दिशा में पहल कर दी तो पाक की भारतीय सीमा में युवाओं को लालच देकर आतंकी बनाने की मंशा पर विराम लग गया। अतएव अब उसने अपने ही पूर्व सैनिकों को पल्रोभन देकर आतंकी बनाकर घुसपैठ करानी शुरू कर दी। नतीजतन भारतीय जमीन पर एक बार फिर से आतंकी घटनाओं का सिलसिला तेज हो गया। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में एक सेना के कप्तान समेत पांच जवान शहीद हो गए। सुरक्षाबल निरंतर आतंकियों को मार गिरा रहा है। बावजूद घुसपैठ का सिलसिला बना हुआ है, जो देश और सेना के लिए चिंता का सबब है। सुरक्षा एजेंसियों के सूत्रों के मुताबिक घाटी में करीब डेढ़ माह से जारी आतंकी हमलों में पाकिस्तानी सेना के पूर्व सैनिकों की लिप्सा के पुख्ता प्रमाण मिले हैं। एजेंसियां इसका यह भी मानकर चल रही हैं कि घाटी में भारी मतदान के बाद पाकिस्तान हताशा के दौर से गुजर रहा है। उसे आशंका है कि कहीं विधानसभा चुनाव के बाद जम्मू-कश्मीर प्रांत में लोकतंत्र की बहाली न हो जाए? इसलिए वह घाटी में हमलों के जरिए माहौल खराब करके दहशत का वातावरण रचने में लगा है। अलगाववादी सुर का आलाप करने वाले मुफ्ती और अब्दुल्ला परिवार को मतदाता ने हराकर यह साबित कर दिया कि घाटी के हालात बदतर करने में इन परिवारों की भूमिका अहम रही है। इससे पाक ने शायद अंदाजा लगाया है कि विधानसभा चुनाव के बाद घाटी में जो प्रजातांत्रिक सरकार बनेगी, वह पाक की मंशा के अनुरूप चलने वाली नहीं है। इसलिए माहौल खराब करके चुनाव को टला जाए। इस बीच पाकिस्तान की फंडिंग से घाटी की तरह जम्मू क्षेत्र में आतंकियों की मदद करने वाले ओवर ग्राउंड कार्यकर्ताओं का एक नेटवर्क भी तैयार किया है। इसे सेना ध्वस्त करने में लगी है। डोडा किश्तवार, पुंछ, राजौरी, रियासी और कठुआ के कठिन भौगोलिक इलाकों में पिछले दो दषक में जैश-ए-मोहम्मद और लश्करे तैयबा ने ओवर ग्राउंड वार्कर नेटवर्क खड़ा किया था। यह अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा से आने वाले आतंकियों को घाटी के सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने का काम करता था। घाटी में रहने वाले ये वार्कर घने वनों और दुर्गम इलाकों में छोटे-छोटे घर बनाकर रह रहे हैं। रियासी जिले में हिंदू भक्तों की बस पर गोली चलाने वाले आतंकियों को इन्हीं ओवर ग्राउंड वर्कर ने मदद की थी। भारतीय सेना के अनुसार ओवर ग्राउंड वार्का वे लोग होते हैं, जो उग्रवादी या आतंकवादियों को रसद, नकदी, आश्रय और अन्य रहने लायक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं। सेना इस नेटवर्क को नष्ट कर रही है। पाक सेना कितनी दगाबाज है, इसका खुलासा पाक के पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल एवं पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई के पूर्व अधिकारी शाहिद अजीज ने 'द नेशनल डेली' में किया था। इसमें कहा गया था कि कारगिल युद्ध में पाक आतंकवादी नहीं, बल्कि उनकी वर्दी में पाकिस्तानी सेना के नियमित सैनिक ही लड़ रहे थे और इस लड़ाई का लक्ष्य सियाचिन पर कब्जा करना था। चूंकि यह लड़ाई बिना किसी योजना और अंतरराष्ट्रीय हालात का अंदाजा लगाए बिना लड़ी गई थी, इसलिए तत्कालीन सेना प्रमुख परवेज मुशर्रफ ने पूरे मामले को रफा-दफा कर दिया था। इससे यह तथ्य तो प्रमाणित होता है कि पाकिस्तानी फौज इस्लामाबाद के पूरे नियंत्रण में नहीं है। आतंकी सरगना हाफिज सईद भारत-पाक सीमा पर खुलेआम घूम रहा है। जैश, लश्कर और हिजबुल के आतंकी दहशतगर्दी फैलाने में शरीक हैं।' पाकिस्तान पूर्व सैनिकों को आतंकी बना रहा है। इसका सत्यापन इस तथ्य से भी होता है कि हाल ही में मारे में जिन आतंकियों से खतरनाक हथियार बरामद हुए हैं, उनका संचालन आसानी से सेना से प्रशिक्षित व्यक्ति ही कर सकता है। इन हथियारों में एम-4 कार्बाइन, 509 टैक्टिगल गन और एम-1911 और स्टेयर एयूजी रायफल बरामद हुई हैं। आतंकियों के पास से अल्ट्रा और माइक्रो रेडियो सेट भी बरामद हुए हैं। ये इनके नेटवर्क में सेंध लगाना आसान नहीं है। ये उपकरण भी अमेरिका द्वारा निर्मित हैं। अफगानिस्तान में नाटो सेनाओं ने इन हथियारों का इस्तेमाल किया था। इससे पाक ने शायद अंदाजा लगाया है कि विधानसभा चुनाव के बाद घाटी में जो प्रजातांत्रिक सरकार बनेगी, वह पाक की मंशा के अनुरूप चलने वाली नहीं है। इसलिए माहौल खराब करके चुनाव को टला जाए। इस बीच पाकिस्तान की फंडिंग से घाटी की तरह जम्मू क्षेत्र में आतंकियों की मदद करने वाले ओवर ग्राउंड कार्यकर्ताओं का एक नेटवर्क भी तैयार किया है। इसे सेना ध्वस्त करने में लगी है। डोडा किश्तवार, पुंछ, राजौरी, रियासी और कठुआ के कठिन भौगोलिक इलाकों में पिछले दो दषक में जैश-ए-मोहम्मद और लश्करे तैयबा ने ओवर ग्राउंड वार्कर नेटवर्क खड़ा किया था। अतएव ऐसी आशंका है कि अफगानिस्तान में अमेरिकी सेना द्वारा छोड़े गए हथियार अब जम्मू-कश्मीर में सक्रिय आतंकियों तक पहुंच रहे हैं। यदि यह तथ्य एक ठोस सच्चाई है तो कश्मीर में आतंकी हिंसा का दुश्चक्र बढ़ता दिखाई दे सकता है? दरअसल, ये हथियार पाकिस्तान के जरिए भी आतंकियों को मिल सकते है और सीधे अफगानिस्तान से भी लाए जा सकते हैं। भारतीय एजेंसियों को ऐसी सूचनाएं भी मिली हैं, कि इन्हें तालिबान सीधे आतंकियों को आर्थिक बदहाली दूर करने के लिए बेच भी रहा है। पिछले चार वर्ष से आतंकियों के पास स्टेयर एयूजी रायफल होने के सूचनाएं मिल रही थीं।

# कारगिल विजय में टोलोलिंग-हम्प की कहानी.....

**ब्रिगेडियर खुशहाल ठाकुर**

हमने लगातार हमले जारी रखे और 8 जुलाई को हमने पूरे टाइगर हिल पर विजय पताका फहरा दी। इस लड़ाई में ग्रेनेडियर योगेंद्र सिंह यादव की शौर्य गाथा आज हर बच्चा जानता है भारतवर्ष का मुकुट कहे जाने वाले हिमालय के आंचल में बसे हिमाचल प्रदेश का सांस्कृतिक व सामरिक दृष्टि से विशेष महत्व है। देवों की भूमि होने के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश वीरों की भूमि भी रहा है। हमेशा से यहां के बेटों ने भारत मां की रक्षा में अपना योगदान दिया है। यहां के हर एक गांव में शूरवीरों की शौर्य गाथा के किस्से-कहानी हर बच्चे की जुबान पर होते हैं और यही कहानियां बच्चों को शौर्य पथ पर चलने की प्रेरणा देती हैं। यही कारण है कि हिमाचल की जनसंख्या का एक बड़ा भाग भारतीय सशस्त्र सेनाओं और अर्ध सैनिक बलों में कार्यरत है। वर्तमान में भारत की सशस्त्र सेनाओं में हर 13 सैनिक में से एक सैनिक हिमाचल की भूमि से आता है। स्वतंत्रता से अभी तक चार परमवीर चक्र भी हिमाचल प्रदेश से ही है। इन किस्से कहानियों में से एक बड़ी महत्वपूर्ण कहानी है कारगिल युद्ध की। इसी कारगिल युद्ध में हिमाचल प्रदेश के दो वीरों, कैप्टन विक्रम बत्रा और सिपाही संजय कुमार ने परमवीर चक्र का सर्वोच्च सम्मान अर्जित किया था। आज हमारा राष्ट्र कारगिल विजय के 25 साल पूरा होने पर रजत जयंती मना रहा है। हर वर्ष 26 जुलाई को मैं दराज कारगिल में जाकर शहीदों को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं। आज से 25 वर्ष पूर्व सन् 1999 में पाकिस्तान ने एक बार फिर भारत के भरोसे की हत्या की थी और कारगिल, दराज और बटालिक के इलाकों में घुसपैठ करके अपना कब्जा कर लिया था। जैसे ही भारतीय सेना को इसका आभास हुआ, तभी से घुसपैठियों को मार भगाने की कवायद शुरू हो गई। उस समय किसी ने यह नहीं सोचा था कि यह कवायद एक भीषण युद्ध की शुरुआत है। मेरी यूनिट 18 ग्रेनेडियर, जिसका मैं कमान अधिकारी था, उन दिनों कश्मीर घाटी के मानसबल इलाके में तैनात थी। वहां पर आए दिन हमारी आतंकवादियों से मुठभेड़ होती थी। तैनात होने के कुछ ही दिनों में हमने 19 आतंकवादियों को मौत के घाट उतार दिया था। तभी हमें हमारे उच्च अधिकारियों से आदेश मिला कि पलटन को तुरंत दराज मूव करना है। दराज सेक्टर में दुश्मन ने टोलोलिंग, टाइगर हिल और मास्को घाटी में सभी महत्वपूर्ण चोटियों पर अपना कब्जा जमा लिया था और दुश्मन लेह, लद्दाख व सियाचीन ग्लेशियर की लाइफ लाइन कहे जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारतीय सेना के मूवमेंट को बाधित कर रहा था। 18 ग्रेनेडियर को टास्क मिला कि टोलोलिंग की सभी चोटियों को हर कीमत पर दुश्मन से मुक्त कराया जाए। हमने एक बेहतर रणनीति के साथ टोलोलिंग पर बैठे दुश्मन पर धावा बोल दिया। उस समय दुश्मन की तादाद और उसकी तैयारी के विषय में सटीक सूचना का अभाव था। साथ ही हाई एल्टीट्यूड की लड़ाई लडने के लिए जरूरी साजो-सामान और दूसरे सैनिक दस्तों, विशेषकर आर्टिलरी का बेहद अभाव था। यही कारण था कि हर दिन हमारा नुकसान हो रहा था। परंतु 18 ग्रेनेडियर के जांबाजों ने इन सभी विषम परिस्थितियों के बावजूद अपने हौसलों को मजबूत रखा और अपने प्राणों की परवाह किए बिना दुश्मन पर लगातार हमले करते रहे। 22 मई को शुरू हुआ यह हमला 14 जून तक चला और इन 24 दिनों में हम सभी कठिन व दुर्गम चढ़ाई, खराब मौसम और दुश्मन की लगातार हो रही भीषण गोलाबारी का सामना करते रहे। इस लड़ाई में मेजर राजेश सिंह अधिकारी ने अपने प्राणों की आहुति दी, जिन्हें मरणोपरांत महावीर चक्र से सम्मानित किया गया। एक हमले के दौरान, जिसे मैं स्वयं लीड कर रहा था, मेरे उपकमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल आर. विश्वनाथन को गोली लगी और उन्होंने मेरी ही गोद में दम तोड़ दिया। लेफ्टिनेंट कर्नल आर. विश्वनाथन को उनके अदम्य साहस के लिए वीर चक्र से सम्मानित किया गया। अंतत: 12 जून को हमने 2 राजपूताना राइफल्स के साथ मिलकर टोलोलिंग की चोटी पर तिरंगा फहरा दिया और साथ ही 14 जून को हम्प की महत्वपूर्ण चोटी पर विजय हासिल की। टोलोलिंग की लड़ाई में हमारे दो अधिकारी, दो सूबेदार और 21 जवानों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया। 18 ग्रेनेडियर के शौर्य को देखकर सेना के उच्च अधिकारियों ने एक बार फिर हमें एक और महत्वपूर्ण जिम्मा सौंपा और यह था दराज सेक्टर की सबसे महत्वपूर्ण चोटी टाइगर हिल पर कब्जा करना। मैं और मेरी टीम एक बार फिर अपनी तैयारी में जुट गए। हमने टाइगर हिल का हरसंभव दिशा से रीकोनोसेन्स किया और सभी टुकडियों के कमांडरों के सुझाव को शामिल करते हुए एक बेहद सटीक रणनीति बनाई। तीन जुलाई की रात को हमने टाइगर हिल पर चौतरफा हमला बोल दिया और सबसे कठिन रास्ते को चुना। जिस तरफ से जाना नामुमकिन था, हमारी कंपनी और घातक प्लाटून ने टॉप पर पहुंचकर दुश्मन को एकदम भौंचक्का कर दिया। पूरी रात एक भीषण घमासान युद्ध हुआ और हम टाइगर हिल टॉप पर अपना फुटहोल्ड बनाने में सफल हुए। इसके बाद हमने लगातार हमले जारी रखे और 8 जुलाई को हमने पूरे टाइगर हिल पर विजय पताका फहरा दी। इस लड़ाई में ग्रेनेडियर योगेंद्र सिंह यादव की शौर्य गाथा आज हर बच्चा जानता है जिसके लिए उन्हें परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया। इस लड़ाई में हमारी यूनिट के नौ नौजवानों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया। लेफ्टिनेंट बलवान सिंह को महावीर चक्र से और कप्तान सचिन निंबालकर को वीर चक्र से नवाजा गया।

# अतिशय क्षेत्र नांदणी में आचार्य विशुद्धसागरजी महाराज ससंघ का वर्ष 2024 का चातुर्मास और उन्हीं के मंगल सानिध्य में वर्ष 2025 में भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव

**नांदणी ( विश्व परिवार )।** पश्चिम महाराष्ट्र के कोल्हापूर जिले के हातकणंगले तहसिल में नांदणी यह गांव है। कोल्हापूर से पूर्वे की ओर 35 कि. मी., बेलगांव से उत्तर की ओर 100 कि. मी., सांगली से 15 कि . मी. और जयसिंगपूर से दक्षिण की ओर 7 कि. मी. की दुरी पर नांदणी तीर्थक्षेत्र स्थित है। अनेक ऋषी मुनीयों के तपस्या से पावन तथा प्राचीन मूर्ती के लिए सु-विख्यात यह प्राचीन तीर्थक्षेत्र अनेक लोगों का श्रद्धास्थान है।

स्वस्तिश्री जिनसेन भट्टारक पट्टाचार्य महास्वामी संस्थान मठ नांदणी- नांदणी ग्राम जैनो के लिए बहोतही पूज्य माना जाता है।इसका पुराना नाम नन्दापुर था।दुसरा नाम नन्दीग्राम था। प्राचीन धरोहर की समृद्धी इसमे झलकती है। जैन धर्म के विकास और संरक्षण के हेतू भारतवर्ष में भट्टारक पीठोंकी निर्मिती हुई है। इन सभी भट्टारक पीठों में स्वस्तिश्री जिनसेन भट्टारक पट्टाचार्य महास्वामी मठसंस्थान नांदणी, करवीर (कोल्हापूर) यह आद्य पीठ है। प्राचीन भारत के दिल्ली, पिंनगोंडी, जिनकंची और करवीर (नांदणी) ऐसी जिनसेन मठ की परंपरा चलती आ रही है। करवीर मठ संस्थांन के कोल्हापूर, नांदणी, तेरदाळ और बेलगांव यह चार शाखापीठ है ; इसलिये जिनसेन मठ की वास्तू अतिभव्य है। नांदणी स्थित मठ का इतिहास 1300 वर्ष पूराना है।

नांदणी मठ के आधीपत्य में दक्षिण महाराष्ट्र और उत्तर कर्नाटक के 743 गांव समाविष्ट है। इन सभी गांव में जैन धर्म के सभी धार्मिक महोत्सव, विधिविधान, पंचकल्याणक, धर्म का प्रसार एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम स्वस्तिश्री जिनसेन भट्टारक पट्टाचार्य महास्वामीजी के आदेश से और आशीर्वाद से सानंद संपन्न होते है। इस मठ के द्वारा नूतन जिनालयों की निर्मिती, प्राचीन और पुराणे जिनालयों का जीर्णोद्धार, धार्मिक साहित्य की निर्मिती का कार्य, धर्मप्रसार एवं समस्याओंका समाधान प.पू.जगद्गुरु स्वस्तिश्री जिनसेन स्वामीजी के मार्गदर्शन से किया जाता है। नांदणी के मठ द्वारा सार्वधर्म इस मासिक पत्रिका के माध्यम से जैन तत्त्वज्ञान का प्रचार-प्रसार कार्य होता है।

स्वस्तिश्री भट्टारक पट्टाचार्य जिनसेन महास्वामीजी के अधिनेतृत्व में अतिप्राचीन धर्मपीठ नांदणी में आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ का 35 वा चातुर्मास संपन्न हो रहा है।

पर्युषण पर्व काल में राष्ट्रीय ब्रम्हचारी युवा शिबीर संपन्न होनेवाला है। इस चातुर्मास के दौरान विद्वत सांगोष्टी, भट्टारक संमेलन, युवा संमेलन, स्वातंत्र्य दिन, रक्षाबंधन पर्व, प्रथमाचार्य शांतिसागर महाराज जी पुण्यतिथी, आचार्य विशुद्ध सागरजी महाराज क्षुल्लक दिक्षा दिवस, मुनी श्री सुव्रत सागरजी मुनी दिक्षा दिवस, शरद पूर्णिमा महोत्सव, 8 मुनीराजोंका प्रथम मुनी दिक्षा दिवस, वृक्षारोपण, पाठशाला

श्री वृषभाचल अतिशय क्षेत्र नांदणी में आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज ससंघ और स्वस्तिश्री जिनसेन भट्टारक महास्वामी जी

अध्यापक प्रबोधन कार्यक्रम, जैन इतिहास संमेलन, जैन साहित्य संमेलन, पंडित संमेलन, पाठशाला बालक संमेलन और महिला संमेलन आदी विविध कार्यक्रम संपन्न होंगे।

14 ऑगस्ट 2024 को दोपहर 1 बजे वृषभाचल अतिशय क्षेत्र, नांदणी में 2025 साल में होनेवाले पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का यजमान पद सवाल का कार्यक्रम होगा।

श्री वृषभाचल अतिशय क्षेत्र- पहले निशिदिका के नाम प्रसिद्ध क्षेत्र में 29 मई 1987 को 31 फूट उत्तुंग भगवान आदिनाथ (वृषभनाथ ) की भव्य-दिव्य खडगासन प्रतिमा का निर्माण करके 22 मई से 29 मई 1988 तक समाधीस्थ (नांद्रेकर) महास्वामीजी के अधिनेतृत्व में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव संपन्न हुआ तबसे यह क्षेत्र वृषभाचल तीर्थ के नाम से प्रसिद्ध हुआ। हरसाल भ. आदिनाथ निर्वाण के दिन महाशिवरात्री को यहाँ पर महामस्तकाभिषेक संपन्न होता है।

आचार्य विशुद्धसागर जी महाराज जी के सानिध्यामध्ये भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव- दिनांक 1 जनवरी 2025 से 9 जनवरी 2025 तक नांदणी में भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन आचार्य विशुद्धसागर जी महाराज जी के

प. पू. स्वस्तिश्री जिनसेन महास्वामीजी नांदणी

सानिध्य में और स्वस्तिश्री जिनसेन भट्टारक स्वामीजी के अधिनेतृत्व में संपन्न होगा। वृषभाचल पर भगवान आदिनाथ बृहन्मुर्ती के बाजु में भ. मुनीसुव्रतनाथ तीर्थंकरा की 21 फूट की पद्मासन प्रतिमा का पंचकल्याणक, नांदणी मठ में भ. आदिनाथ बस्ती के शिखर में नूतन मूर्ती का, गांव में भ. पार्श्वनाथ मंदिर के शिखर में भ. पार्श्वनाथ की प्रतिमा और स्वस्तिश्री जिनसेन मठ में मुख्य मंदिर के मुलानायक भ. आदिनाथ मंदिर के बाजू में (दक्षिण दिशा को) 9 तीर्थंकर मंदिर का निर्माण हुआ है उस 9 प्रतिमा की प्राणप्रतिष्ठापणा इस पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव में संपन्न होगा।

वृषभाचल पर (निशिदिका में ) चक्रेश्वरी देवी (भ. वृषभनाथ जी की शासनदेवी यक्षिणी) और क्षेत्रपालजी की नूतन स्थापना होगी। यह चक्रेश्वरी मंदिर बहोतही सुंदर बन रहा है। वृषभाचलापर 24 टोक पर सम्मेदशिखरजी की प्रतिकृती बनी है। उसी के 24 वे टोक पर पावपुरी क्षेत्र का थोडे विकसितरूप देकर नूतन पावपुरी की रचना होगी।

इस पुरे ऐतिहासिक चौमासा और भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव और महामस्तकाभिषेक कार्यक्रम का प्रभावशाली अधिनेतृत्व स्वस्तिश्री जिनसेन भट्टारक पट्टाचार्य महास्वामीजी करेंगे। उनका उत्साह जैन समाज के युवाओंको प्रेरणादायक है।

**शब्दांकन-श्री अभिषेक अशोक पाटील**

## संक्षिप्त समाचार

### भावलिंगी संत राष्ट्रयोगी श्रमणाचार्य श्री विमर्शसागर जी महाराज ने कहा- गर्भ धारण करना किसी साधना से कम नहीं

#### भक्तामर महिमा प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ आज से

**कृष्णानगर/दिल्ली (विश्व परिवार )।** हमारी आत्मा परमात्मा कैसे बने, हम भगवान कैसे बने, जब यह जिज्ञासा अंतर में पैदा होती है तब समाधान की ओर लदम आगे बढ़ने लगते हैं। जीवन जिज्ञासा अवश्य उत्पन्न होना चाहिये। जिज्ञासा हमारे जीवंत होने का प्रमाण है। जिज्ञासा के बिना समाधान की कल्पना भी नहीं की जा सकती। लोक में सबसे बड़े जिज्ञासु तीर्थंकर भगवान थे। वे अनंत जिज्ञासु थे तभी उन्होंने आत्मा के अनंत ज्ञान भी प्राप्त किया। आज उनके अनंत ज्ञान से सारा लोक समाधान प्राप्त कर रहा है। उक्त उद्गार परम पूज्य भावलिंगी संत राष्ट्रयोगी श्रमणाचार्य श्री 108 विमर्शसागर जी मुनिराज ने श्री दिगम्बर जैन मंदिर कृष्णानगर में धर्म सभा को संबोधित करते हुये व्यक्त किये। आचार्य श्री ने कहा कि जब कोई माँ गर्भ धारण करती है तो वो गर्भकाल उस माँ का साधना काल होता है। जिसमणकार उस समय वह किसी साध्वी से कम नहीं होती। जिस प्रभार एक साध्वी अपनी साधना को लेकर प्रतिपल सचेत रहती है. उसी प्रकार वह गर्भणी माँ भी प्रतिपल अपने गर्भस्थ शिशु को लेकर सावधान रहती है। उस काल में माता के प्रत्येक क्रिया कलाप संस्कार बनकर उसगर्भस्थ शिशु पर प्रभाव डालते हैं। माँ जेरता आचरण करती है, माँ जैसा चिन्तन करती है, माँ जेसी क्रियायें भरती है उस गर्भस्थ शिशु का जीवन उसके अनुरूप संस्कारित होने लगता है। जो मातायें गर्भ धारण करती हैं उन्हें चाहिये उतने काल तक वह सात्विक, सहज भऔर सरल जीवन जिये। धर्म ध्यान के साथ अपना समय व्यतीत करें। प्रभु के भजन कीर्तन, उपासना पूजा में अधिक समय लगाये, महापुरुषों के जीवन चरित्रों को पढ़ें, और भावना करें ऐसे महान पुत्र पुत्रियाँ हमारे घर में जन्म ले; आपकी यह साधना निश्चित ही आपके घर में महान संतानों को जन्म देगी। कृष्णानगर में आज से भक्तामर महिमा प1 भावलिंगी संते राष्ड्योगी श्रमणाचार्य श्री 108 विमर्श सागर जी महामुनिराज के मंगल सानिध्य में कृपणा नगर जैन मंदिर में श्री भक्तामर महिमा प्रशिक्षण शिविर का भव्य शुभारंभ आज से होगा। अतिशय कारी भक्तामर स्तोत्र के ऊपर प्रतिदिन भरेंगे भावलिंगी संत अतिशय मांगलिक व्याख्या। इस शिविर को लेकर समस्त जरे समाज में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है।

### श्री पिसनहारी तीर्थ के 2024 -2027 के नवीन पदाधिकारीगणों का निर्वाचन सम्पन्न

**जबलपुर ( विश्व परिवार )।** नगर के दिगम्बर जैन समाज की आस्था के केंद्र, प्रसिद्ध जैनतीर्थ श्री पिसनहारी मढ़िया जी के वर्ष 2024-27 हेतु नवीन पदाधिकारीयों का निर्विरोध निर्वाचन सम्पन्न हुआ, चुनाव अधिकारी एवं पूर्व अध्यक्ष सतेंद्र जैन जग्गु ने, आचार्य श्री विधासागर जी महाराज के भावनुरुप निर्धारित प्रक्रिया अपनाते हुए निर्विरोध निर्वाचन सम्पन्न करवाया जिसे सम्पूर्ण उपस्थित ट्रस्ट कमेटी ने अनुमोदित किया। नवीन सत्र हेतु निम्नलिखित पदाधिकारीयों को चयनित किया गया। अध्यक्ष- राजेंद्र जैन मम्मा, उपाध्यक्ष- संजय चौधरी, प्रधानमंत्री-संजय अरिहंत, उपमंत्री- कैलाश चन्द्र मट्ठू, कोषाध्यक्ष- सुबोध कामरेड। इस अवसर पर वरिष्ठ व सहयोगी ट्रस्टियों, श्री संतोष भाई जी, श्री राजेन्द्र जैन सतेंद्र स्टोर्स, निर्मल चंद लोहा वाले, पूरनचंद सिंघई, दिनेश चौधरी, डॉ.अरविंद जैन, विनीत जैन, कोमलचंद पड़रिया, धन्यकुमार बरघाट, सतेंद्र जैन गुड्ढू भैया, गोटेगांव, कमल दानी, उमेश जैन, सुनील जीपी, राजेन्द्र राजू साइकिल, अजयजैन अज्जू ने उपस्थित होकर निर्वाचन प्रकिया में योगदान देते हुए आशीर्वाद व बधाई प्रदान किये। ज्ञात हो कि परमपूज्यआचार्य श्री 108 विधासागर जी महाराज के 3 चौमासे, दो पंचकल्याणक एवं अनेक बांचना का सौभाग्य प्राप्त श्री पिसनहारी तीर्थ गुरुवर की तपो स्थली के नाम से देश मे विख्यात है इस हरीतिमा भरे, काली चट्टानों युक्त, शांत, 175 फुट पहाड़ पर 13 मन्दिर युक्त इस स्थल को अनेक मुनिगण एवं आर्यिका मां अपनी साधना स्थली मानते है, साथ ही यंहा स्थित प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान के छात्र रहे अनेक युवक भारत सरकार के प्रशासनिक उच्च व कनिष्ठ अधिकारी यहाँ के ही छात्र रहे हैं। **-संजय चौधरी**

## भक्ति करने वाले की इन्द्र नरेंद्र भी सेवा करते हैं : आचार्य श्री समयसागरजी महाराज

### चातुर्मास स्थापना समारोह में पहुंची अशोक नगर कमेटी

### दर्शनोदय थूवोनजी अशोक नगर जैन पंचायत कमेटी ने श्रीफल भेंट किए

**अशोक नगर ( विश्व परिवार )।** विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल खजुराहो में विराजमान नवाचार्य श्री समयसागरजी महाराज ससंघ ने स्वर्णोदय तीर्थ खजुराहो में अपने चातुर्मास कलश की स्थापना की इस दौरान देशभर के भक्तों के साथ ही दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी व श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी ने आचार्य श्री को श्री फल भेंट कर शुभ आशीर्वाद प्राप्त किया चातुर्मास स्थापना समारोह को सम्बोधित करते हुए नवाचार्य श्री समयसागर जी महाराज ने कहा कि बड़े बड़े पद भी भगवान की भक्ति से विना मांगे ही मिल जाते हैं मांगने से तो भीख भी नहीं मिलती

जव विन मांगे ही सब कुछ मिलता है तो मांगने की आवश्यकता ही क्या है इस बात को संसार प्राणी समझना होगा उन्होंने कहा कि भोगों की आकांक्षा के विना जिनेन्द्र भगवान की भक्ति करना चाहिए विना किसी इच्छा के भगवान की भक्ति करने से सब कुछ अपने आप मिलता चला जाता है।

इसके पहले अशोक नगर जैन समाज राकेश कासंल उपाध्यक्ष प्रदीप तारई महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई मंत्री विजय धुर्रा संयोजक उमेश सिघई पार्श्वनाथ मंदिर संयोजक मनोज रत्नौद राधेलाल धुर्रा दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी महामंत्री विपिन सिंघई कोषाध्यक्ष सौरव वाझल पूर्व कोषाध्यक्ष मनोज भैसरवास आडिटर राजीवचन्देरी परमसंरक्षण शैलेन्द्र दददा पवन वर्तन हेमंत हेमू देवेन्द्र जैन सहित अन्य प्रमुख जनो ने श्री फल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया इस दौरान चातुर्मास कलशों की स्थापना देशभर से पहुंचे श्रेणी जनों की इसके साथ ही आचार्य भगवंत गुरुवर श्री विद्यासागर जी महाराज की संगीत के साथ महापूजा की गई इस दौरान देशभर से पहुंचे भक्तों ने आचार्य श्री को श्री फल भेंट किए।

**भावों को पवित्र बनाने के लिए पंच परमेष्ठि करें ध्यान :** इस दौरान नवाचार्य ने कहा कि भावों को पवित्र बनाने के लिए पंच परमेश्वर का ध्यान करना चाहिए सिद्ध परमेष्ठि का स्वरूप बताने वाले अरिहंत परमेष्ठि की हम सब आराधना करते हैं यद्यपि सिद्ध परमेष्ठि बड़े हैं लेकिन सिद्धो के स्वरूप का ज्ञान भी हमें अरिहंत प्रभु के माध्यम से होता है और प्रभु का स्मरण करते वाले भी गुरु ही हुआ करते हैं इसलिए तो को पहले रखा गया है आधुनिक वातावरण से बचते हुए प्रभु की आराधना कर सकते हैं निराकुल भाव से भगवान की आराधना करना चाहिए भगवान की आराधना करके हमारा जीवन भी परमात्मा के समान वन सकता है उन्होंने कहा कि आचार्य भगवंत गुरुवर श्री विद्यासागर जी महाराज ने एक बार कहा था कि मुझे कोई पद नहीं चाहिए मेरी इच्छा तो बस इतनी सी है कि समवशरण के किसी कोने में स्थान मिल जाए और मैं परमपावन मुक्ति का वरण करु।

**वीतराग भगवान कीआराधना करते समय राग का कोई स्थान नहीं :** उन्होंने कहा कि वीतरागी भगवान की आराधना करते समय राग का कोई स्थान नहीं है विषायानुरागो में आप लोग पड़े ही है कम से कम जव भगवान की भक्ति करें तो राग दूर रहना चाहिए उन्होंने कहा कि रात दिन ये संसारी प्राणी राग में डूबा हुआ है राग को कम करने के लिए ही तो ये जिनालय देव गुरु का समागम मिला हैआप चहरे को पहुंचने ने के लिए अपनी जेब में रुमाल रखें रहते है यदि वह गंदा हो जायें तो आप अपना चहेरा नहीं पहुंचते साफ़ कपड़े से चहरे को साफ करते हैं।

## जिस व्यक्ति के अंदर विनम्रता, सुसंस्कारिता, शालीनता, सौहार्दता के गुण होते हैं, वह हृदय व्यक्ति में राज करता है : मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज

**इंदौर ( विश्व परिवार )।** जिस व्यक्ति के अंदर विनम्रता, सुसंस्कारिता, शालीनता, सौहार्दता के गुण होते हैं, वह व्यक्ति हर व्यक्ति के हृदय में राज करता है। उपरोक्त उदगार मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने मोहताभवन में प्रात:कालीन प्रवचन सभा में व्यक्त किये। मुनि श्री ने कहा कि विनम्रता का मतलब हर किसी का सम्मान करना ही नहीं

विनम्रता का मतलब छोटों का मान रखना भी है मुनि श्री ने कहा कि मेरे अंदर विनम्रता का गुण है या नहीं यह हमें खुद परखना होगा प्राय: बड़े होंने का मतलब यह देखा जाता है कि छोटे मेरा सम्मान करें, छोटों को बड़ो का सम्मान करना चाहिये यह अच्छी बात है लेकिन बड़ो को भी सभी छोटों से भी वातसल्य भाव रखना चाहिये, मुनि श्री ने बड़े आदमी की पहचान बताते हुये कहा कि बड़ा आदमी बही है जिसके पास आने पर कोई भी छोटा महसूस न करे उन्होंने सामने बैठे प्रसिद्ध उद्धोगपति अशोक पाटनी एवं उनकी श्रीमति शुशीला पाटनी का उदाहरण देते हुये कहा कि में उनकी प्रशंसा में नहीं कह रहा उनसे मिलने बाला व्यक्ती चांहे छोटा हो या बड़ा वह उनसे मिलकर अभीभूत हो जाता है एक बात सदैव ध्यान रखना मान दैनै से मान मिलता है,मान दिया जाता है मान लिया नहीं जाता आप लोग इस मामले में बड़े कृपण हो, पाना तो चाहते हो,लेकिन दैना नहीं चाहते चांहे वह बड़ा हो या छोटा विशेष हो तत्व की दृष्टि से सभी की आत्मा समान है। उन्होंने सकारात्मकता का उदाहरण देते हुये शतरंज के खिलाड़ी विश्वनाथ आनंद का उदाहरण देते हुये कहा कि वह रेल के प्रथम श्रैणी में यात्रा कर रहे थे उनके सामने एक वुजुर्ग बैठे थे उन्होने उनसे पूंछा कि क्या करते हो उन्होंने कहा कि शतरंज खेलते है,दादाजी विश्वनाथ आनंद पर बरस पड़े और उनको उल्टा सीधा सुनाया फिर भी विश्वनाथ ने उनको अपना परिचय नहीं दिया तो विश्वनाथ आनंद ने जबाब दिया कि यदि में उनको अपना परिचय दे देता तो उनको ग्लानि होती मुनि श्री ने कहा कि यह है विनम्रता का यह उच्च आदर्श है अपमान को यदी आपने महसूस कर लिया तो वह ही मान का ही प्रतीक है। मुनिश्री ने कहा कि अपने जीवन व्यव्हार के प्रति सकारात्मक रहे। दयोदय महासंघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया तीन दिवसीय आज से प्रात: जैनम शिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ प्रात:6 बजे से 7 बजे तक मुनि श्री निर्वैग सागर महाराज ने 15 वर्ष से ऊपर के सभी बालक बालिका एवं यवाओं को जैन धर्म का प्रारंभिक ज्ञान से परिचय कराया तत्पश्चात भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा मुनि श्री के मुखारविंद से सपन्न हुई एवं सांयकालीन जैन पाठशाला मुनि श्री संधान सागर जी महाराज के द्वारा संपन्न हुई। धर्म सभा से पूर्व मुनिसंघ के सान्निध्य में आचार्य विद्यासागर सभा मंडप का उदघाटन प्रसिद्ध उद्योग पति अशोक पाटनी तथा श्री मति शुशीला पाटनी ने फीता खोलकर किया मुनि श्री के दर्शनार्थ पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटैल पधारे एवं कैविनेट मंत्री नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाशविजयवर्गीय शंकासमाधान के कार्यक्रम में पधारे। धर्मप्रभावना समिति के पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों का तिलक साल श्रीफल स्मृति चिन्ह से सम्मान किया।

**-अविनाश जैन**

## गनौद में पं. प्रदीप मिश्रा जी की श्री शिव महापुराण कथा की तैयारी युद्धस्तर पर

### 12 से 16 अगस्त तक होगा आयोजन

**नवापारा राजिम ( विश्व परिवार )।** शिवभक्ति के लिए पवित्र सावन का माह एक विशेष स्थान रखता है, शास्त्रों में उल्लेख है कि इस माह मे देवाधिदेव महादेव की अराधना, उपासना, पूजा-अनुष्ठान, जलाभिषेक, जप-तप के व्दारा मनुष्य, महादेव को प्रसन्न कर अपने जीवन मे मनवांछित मनोकामनाएं पा सकता है। इस मान्यता के चलते पुरे देश में यह पवित्र-पावन माह, शिवभक्ति का माह कहलाता है। दुर-दुर से लोग सैंकड़ों-हजारो किलोमीटर पैदल कांवड़ यात्रा कर देवाधिदेव महादेव को जलाभिषेक कर भक्ति जीवन पथ मे आनंद, उत्साह, सुख-शांति प्राप्त करते हैं। ऐसे ही पवित्र-पावन माह सावन मे इन दिनों अंचल के ग्राम गनौद मे चल रहे शिवमहापुराण की तैयारी को लेकर चौक-चौराहा, होटल, ठेला, सेलुन, आदि सब जगह जोरों की चर्चा है। उक्त कथा यहाँ 12 से 16 अगस्त तक चलेगा. विदित हो कि ग्राम गनौद मे अन्तरराष्ट्रीय कथा वाचक भागवतभूषण प्रदीप मिश्रा जी के शिवमहापुराण कथा के मुख्य आयोजक राकेश देवांगन, शंभू सेवा समिति, ग्राम गनौद के सरपंच, उपसरपंच, भूतपूर्व सरपंच, गांव के जनप्रतिनिधीगण, गनौद गांव और आसपास के गांव के शिवभक्त परिवार आयोजन की तैयारी को लेकर दिन-रात युद्धस्तर पर डटे हुए हैं। **-तुकाराम कंसारी**

## न्याय करते समय अपने पराये में भेद नहीं करें : मुनि श्री प्रणम्यसागर जी महाराज

### मुनि श्री ससंघ के सानिध्य में मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर चल रहा पार्श्व पुराण का वाचन

**जयपुर ( विश्व परिवार )।** संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मुखारबिन्द से मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर पार्श्वनाथ पुराण का वाचन किया गया जिसमें जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ की कथा सुनाई गई। कथा के दौरान सजीव पात्रों ने मनमोहक अभिनय कर श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। इस मौके पर मुनि श्री ने अपने प्रवचन में कहा कि न्याय करते समय अपने पराये का भेद नहीं होना चाहिए। अगर अपने पराये में भेद किया जाता है तो उसे न्याय नहीं कहेंगे। इस मौके पर मुनि श्री द्वारा श्रद्धालुओं को अर्हम ध्यान योग के अन्तर्गत अरिहंत परमेष्ठी का ध्यान करवाया गया।

इससे पूर्व मनीष-रचना चौधरी एवं संगीतकार नरेन्द्र जैन के निर्देशन में आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की संगीतमय पूजा की गई। आचार्य समय सागर महाराज एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज का अर्घ्य चढाया गया। तत्पश्चात समाजश्रेष्ठी नन्द किशोर प्रमोद सुनील पहाड़िया परिवार द्वारा संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज एवं आचार्य समय सागर महाराज के चित्र का जयकारों के बीच अनावरण किया गया। भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया। तत्पश्चात मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के पाद पक्षालन एवं उन्हें शास्त्र भेट कर पुण्यार्जन किया गया। इस मौके पर प्राचार्य शीतल चन्द जैन, आठ प्रतिमाधारी डी सी जैन, श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के उपाध्यक्ष उत्तम चन्द पाटनी, संयुक्त मंत्री दर्शन बाकलीवाल, राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा सहित मंदिर समिति अध्यक्ष सुशील पहाड़िया, मंत्री राजेन्द्र सेठी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा, उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी, कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र जैन, संयुक्त मंत्री मनोज जैन, संगठन मंत्री अशोक सेठी, सांस्कृतिक मंत्री जम्बू सोगानी सहित सभी कार्यकारिणी सदस्यों ने मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज ससंघ को श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। प्रचार प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि मीरामार्ग के श्री आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मंगलवार 30 जुलाई को प्रात: 8.15 बजे श्री पार्श्वनाथ कथा का संगीतमय आयोजन आयोजन किया जाएगा।इस मौके पर आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की पूजा एवं मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें। मुनि श्री की आहारचर्या प्रात: 9:40 बजे होगी। दोपहर में 3.00 बजे शास्त्र चर्चा होगी। गुरुभक्ति एवं आरती सांय 6:30 बजे एवं वैयावृत्ति रात्रि 8:30 बजे होगी।

**-विनोद जैन**

## संक्षिप्त समाचार

### सोलर लाइट लगाने के लिए फर्जी कार्यादेश जारी करने को लेकर तीन व्यक्तियों के विरूद्ध हुई एफआईआर

**कोंडागांव(विश्व परिवार)।** जिले के माकड़ी जनपद पंचायत में सोलर लाइट लगाने के नाम पर फर्जी कार्यादेश जारी करवाने वाले तीन व्यक्तियों के विरुद्ध पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज करवाई गई है। कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने इस बारे में शिकायत प्राप्त होने पर तत्काल संज्ञान लेकर जिला पंचायत को प्रेषित दस्तावेजों की जांच सीईओ जनपद पंचायत के द्वारा करवाई गई। जांच में पाया गया कि शामपुर निवासी गजेन्द्र राठौर और सुश्री नेहा जैन द्वारा जनपद पंचायत माकड़ी में पदस्थ वरिष्ठ आंतरिक लेखा परीक्षण एवं करारोपण अधिकारी इंद्र कुमार ध्रुव के साथ मिलकर यह फर्जी कार्यादेश जारी करवाया गया था। जो दस्तावेज जांच हेतु प्राप्त हुए, वह कार्यालय के आवक-जावक रजिस्टर में उस नाम से उल्लेखित नहीं है। वहीं वरिष्ठ आंतरिक लेखा परीक्षण एवं करारोपण अधिकारी श्री इंद्र कुमार ध्रुव द्वारा क्षेत्राधिकार से बाहर जाकर कार्यादेश जारी करना, प्रस्ताव जारी करना, कार्य प्रारंभ करने हेतु पत्र जारी करना एवं वरिष्ठ आंतरिक लेखा परीक्षण एवं करारोपण अधिकारी जनपद पंचायत माकड़ी की मुहर का दुरूपयोग करना पाया गया। इस मामले में वरिष्ठ आंतरिक लेखा परीक्षण एवं करारोपण अधिकारी इंद्र कुमार ध्रुव, गजेन्द्र राठौर और सुश्री नेहा जैन के विरूद्ध थाना माकड़ी में भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 467, 64 बी, तथा 34 के तहत एफआईआर दर्ज कराई गई है।

### सुरक्षा व शांति व्यवस्था को लेकर पुलिस टीम ने पैदल पेट्रोलिंग की

**राजनांदगांव(विश्व परिवार)।** पुलिस अधीक्षक राजनांदगाँव मोहित गर्ग के निर्देशानुसार ए.एस.पी. मुकेश ठाकुर (ऑप्स) एवं ए.एस.पी. राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन में जिले के सभी थाना/चौकी प्रभारियों को निर्देश किया गया कि अपराधों की रोकथाम, अपराधियों पर नकेल कसने सहित सुरक्षा व शांति व्यवस्था के मद्देनजर शहर के गली मोहल्लों, चौक चौराहों व कालोनियों में पैदल पेट्रोलिंग करने दिया निर्देष। चोरी की घटना बढ़ने के संभावनओं को देखते हुए अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पैदल पेट्रोलिंग करने कहा गया। शहर भ्रमण के दौरान संदिग्धों से पूछताछ करना, गुंडा बदमाश निगरानी बदमाश व असामाजिक तत्वो पर सतत् निगाह रखने व प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। भ्रमण के दौरान मोटर सायकल से घूमते आवारागर्दी करते लड़कों निगरानी बदमाश व असामाजिक तत्वों को रोक कर पूछताछ एवं तलाशी ली गई। अनावश्यक घुमने वाले मंचलों को रात्रि में घर पर रहने की समझाईश दी गई। इसी प्रकार जिले के सभी अनुविभाग/थाना क्षेत्रों में थाना प्रभारी अपने दलबल के साथ पैदल पेट्रोलिंग किया। पैदल पेट्रोलिंग से आमजनों का पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ा है और गुंडा बदमाशों में भय बना रहेगा।

### शिविर में 74 वर्षीय धानबाई का बना राशन कार्ड

**गरियाबंद(विश्व परिवार)।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार जिले के नगरीय निकायों में जनसमस्या निवारण पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। 27 जुलाई से शुरू हुए शिविर में नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने पर जोर दिया जा रहा है। 10 अगस्त तक चलने वाली शिविर में नागरिकों के विभिन्न समस्याओं से संबंधित आवेदनों का निराकरण किया जा रहा है। कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल ने सभी नगरीय निकायों में शिविर का अयोजन कर नागरिकों की समस्याएं निराकृत करने के निर्देश सभी संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। इसी तारतम्य में नागरिकों को शिविर स्थल में ही विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। नगर पंचायत फिंगेश्वर के शिविर में 4 हितग्राहियों को मौके पर ही राशन कार्ड बनाकर दिया गया। इनमें 74 वर्षीय श्रीमती धानबाई ध्रुव का अंत्योदय राशन कार्ड तथा 54 वर्षीय श्रीमती जानकी, 44 वर्षीय श्रीमती कुमारी बाई सोनवानी एवं 23 वर्षीय श्रीमती रिंकू ध्रुव का प्राथमिकता राशन कार्ड बनाया गया। साथ ही कुमारी लीना साहू, झरना एवं देवश्री साहू का मौके पर ही आयुष्मान कार्ड बनाया गया। इसी प्रकार जिले के सभी नगरीय निकायों में भी नागरिकों के आवेदनों का त्वरित निराकरण कर उन्हे सरकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने जनसमस्या निवारण पखवाड़ा के दौरान आयोजित शिविरों में स्थानीय नागरिकों की समस्याएं, आधार कार्ड, राशन कार्ड, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, भवन निर्माण अनुज्ञसियां, नल कलेक्शन, राष्ट्रीय परिवार सहायता, नल कनेक्शन, वृद्धावस्था पेंशन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड, अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने तथा नामांतरण व स्वरोजगार तथा कचरे की सफाई, स्ट्रीट लाईट, मरकरी, बल्ब, ट्यूब लाईट का बंद रहना आदि सहित अन्य समस्या का त्वरित निराकरण के निर्देश दिए है।

# आवारा मवेशियों के नियंत्रण सहित ध्वनि प्रदूषण रोकने करें प्रभावी पहल : कमिश्नर डोमन सिंह

**कमिश्नर ने मुख्य सचिव के वीडियो कांफ्रेंसिंग में दिए गए निर्देशों के अनुरूप कार्यान्वयन पर दिया जोर**

**जगदलपुर(विश्व परिवार)।** बस्तर संभाग के अंतर्गत सड़कों में आवारा मवेशियों के नियंत्रण के लिए तैयार कार्ययोजना के अनुसार गौशाला एवं कांजी हाऊस में रखे जाने के साथ ही समुचित कार्यवाही सम्बन्धित विभागों के द्वारा समन्वित रूप से सुनिश्चित किया जाए। वहीं ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण हेतु डीजे लगे वाहनों की जप्ती सहित राजसात की कार्यवाही किया जाए। उक्त निर्देश कमिश्नर बस्तर डोमनसिंह ने मुख्य सचिव छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा वीडियो कांफ्रेंसिंग में दिए गए निर्देशों के अनुरूप विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों के कार्यान्वयन प्रगति की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को दिए। कमिश्नर ने आवारा मवेशियों को सड़कों से हटाने के लिए चिन्हित स्थलों,पशुओं की टेंगिंग,रेडियम पट्टी लगाने सहित गौशाला एवं कांजी हाऊस संचालन की जानकारी ली और गौशाला एवं कांजी हाउस में पर्याप्त जगह,चारे एवं पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही आवश्यकता के अनुसार आवारा मवेशियों को रखे जाने हेतु गौशाला एवं कांजी हाउस का विस्तार भी किये जाने कहा। उन्होंने नक्सली पीड़ित परिवारों के पुनर्वास हेतु शासन की नीति के तहत कार्यवाही कर प्रभावितों को सहायता प्रदान करने सहित शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किये जाने संवेदनशीलता के साथ पहल करने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने केंद्रीय जेल जगदलपुर में बंदियों के लिए अतिरिक्त बैरक निर्माण को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। वहीं भानुप्रतापपुर में निर्मित उप जेल को प्रारंभ करने सहित कोण्डागांव में जिला जेल निर्माण हेतु चिन्हित भूमि के हस्तांतरण की कार्यवाही का संज्ञान लेकर आवश्यक पहल किये जाने कहा। उन्होंने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सॉलिड एवं लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट के लिए ध्यान केंद्रित करने पर बल देते हुए इस दिशा में जनजागरूकता निर्मित करने की आवश्यकता बतायी। कमिश्नर सिंह ने बारिश के दौरान मौसमी बीमारियों के रोकथाम एवं उपचार हेतु सजगता के साथ दायित्व निर्वहन करने निर्देशित किया कि जिला अस्पताल,सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों,प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों सहित उप स्वास्थ्य केन्द्रों में मौसमी बीमारियों के उपचार के लिए सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें।

# बारिश में बह गई 4 साल पहले बनी पुलिया, गुणवत्ता पर उठे सवाल...

**बीजापुर(विश्व परिवार)।** जिले के भोपालपटनम ब्लॉक में 4 साल पहले बनी पुलिया हल्की बारिश में बह गई, जिससे स्थानीय किसानों की फसलें बर्बाद हो गईं और पुलिया की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। यह घटना भ्रष्टाचार और निर्माण की लापरवाही की एक और मिसाल बन गई है। पीएमजीएसवाई के तहत दमपाया से सांड्रापल्ली, यापला, और बन्देपारा जाने वाली सड़क पर बनी पुलिया महज थोड़ी सी बारिश में बह गई, जिससे मलबे का ढेर किसान के खेतों में जमा हो गया और उनकी सालभर की मेहनत बर्बाद हो गई। इस पुलिया का निर्माण गुप्ता कंस्ट्रक्शन ने किया था और ग्रामीणों का कहना है कि यह पुलिया चार साल में दूसरी बार ढही है। सांड्रापल्ली के ग्रामीणों के अनुसार, पुलिया के निर्माण में गंभीर लापरवाही और भ्रष्टाचार शामिल है। बारिश के कारण पुलिया टूटने से न केवल फसलें बर्बाद हुई हैं, बल्कि आवागमन भी बाधित हो गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से दोषी ठेकेदार और इंजीनियरों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग की है। सूत्रों के मुताबिक, क्लस्ड्ड के एसडीओ और ठेकेदार ने मिलकर पुलिया का निर्माण किया था। यह पुलिया पिछले दो साल से बारिश में बह जाती है, जो निर्माण में भ्रष्टाचार और घटिया सामग्री के इस्तेमाल की पुष्टि करता है। विभागीय अधिकारियों के मिलीभगत से यह पुलिया बनी, जिससे अब सवाल उठता है कि क्या ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ कोई कार्यवाही होगी या फिर सिर्फ दिखावे की जांच होगी।

## दलदल में फंसकर हाथी शावक की मौत, ट्रैकिंग टीम को मिला शव

**धमतरी(विश्व परिवार)।** धमतरी जिले के एक गांव में हाथी के शावक की जंगल के दलदल में फंसने से मौत हो गई है। जिले के नगरी सिहावा क्षेत्र के ग्राम चंदनबाहरा जंगल के सांकरा वन परिक्षेत्र के जंगल में सिकासेर दल के हाथी के शावक की जंगल के दलदल में फंस जाने से मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि सांकरा वन परिक्षेत्र के इलाके में 40 से 45 हाथियों का झुंड लगातार विचरण कर रहा है। मरने वाला नर शावक 4 से 6 महीने का बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार सिकासेर दल के 40 से 45 हाथियों के झुंड को वन विभाग द्वारा मॉर्निंग में ट्रैक करते वक्त जंगल से दुर्गन्ध आने लगी। वन विभाग की टीम ने आसपास तलाशी ली तो कुछ दूर ही नर शावक का शव मिला। वनमंडला अधिकारी ने 2 दिन पहले हाथी के बच्चों की मौत होने की बात कही. कृष्णा जाधव ने यह भी बताया कि वन विभाग को उस वक्त सूचना मिली। जिस वक्त जंगल में हाथियों का झुंड मौजूद था। वहां तक वन विभाग की टीम नहीं पहुंच पाई थी। जब हाथियों का दल जंगल में आगे की और बढ़ा तब वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और हाथी के शावक का पोस्टमार्टम करवाने के बाद नियम अनुसार गड्ढा खोदकर शावक को दफनाया दिया गया। वहीं 40 से 45 हाथियों का झुंड कई दिनों से आसपास के जंगलों में विचरण कर रहा है।

## शक्ति टीम ने उमा विद्यालय में नशा मुक्ति एवं अन्य जागरूकता के संबंध में दी जानकारी

**धमतरी(विश्व परिवार)।** पुलिस शक्ति टीम ने जागरूकता अभियान,के तहत छाती स्कूल के छात्र छात्राओं को दिये पॉक्सो एक्ट, सायबर अपराध एटीएम फ्रॉड एवं यातायात नियमों की दी जानकारी। शक्ति टीम द्वारा कल ग्राम छाती के उच्चतर माध्य. विद्यालय हाई के छात्र-छात्राओं को नशा मुक्ति के संबंध में जानकारी दी गई। एवं सायबर अपराध,एटीएम फ्रॉड,पॉस्को एक्ट एवं यातायात नियमों की जानकारी दिया गया एवं दोपहिया वाहन में तीन सवारी ना चलने एवं हमेशा यातायात नियमों का पालन करने बताया गया। एवं सायबर फ्राड के संबंध में भी जानकारी दिया गया एवं कोई भी अनजान व्यक्ति को निजी जानकारी साझा नही करने एवं ओटीपी शेयर नही करने के लिए बताया गया। छात्राओं को अभिव्यक्ति एप के संबंध में जानकारी देकर बालिका एवं महिलाएं अपनी सुरक्षा कैसे कर सकते हैं उनके बारे में भी विस्तार से बताया गया साथ ही महिला संबंधी अपराध,गुड टच बैड टच एवं बालक बालिकाओं के संरक्षण के लिए बनाए गये पोक्सो एक्ट एवं महिला संबंधी अपराध एवं महिला से संबंधित कानून के संबंध में जानकारी देते हुए छात्राओं को जागरूक किया गया। छात्र छात्राओं को एटीएम फ्रॉड एवं अनजान फर्जी कॉल से दूर रहने एवं लॉटरी फसने का झांसा देने वालों से बचने के संबंध मे महत्वपूर्ण जानकारी दिया गया।

# छात्रों ने वोट डालकर चुना मुखिया, हिमांशु पांडे हेड बाय ख्वाहिश चक्रवर्ती हेड गर्ल

**पूरी प्रक्रिया हुई चुनाव प्रक्रिया के तर्ज पर**

**कोण्डागांव(विश्व परिवार)।** पी एम श्री आत्मानंद स्कूल महात्मा गांधी वार्ड कोंडागांव में छात्र संघ का चुनाव संपन्न हुआ। पूरी प्रक्रिया को चुनाव प्रक्रिया के तर्ज पर कराया गया। चुनाव कराने के लिए पीठासीन अधिकारी बूथ प्रभारी एवं मतदान अधिकारी एक एवं दो भी बनाए गए। विशेष बात यह रही कि बूथ को पिंक बूथ की तर्ज पर सभी अधिकारी महिला कर्मचारी शिक्षिकाएं थी। प्राचार्य दिनेश शुक्ला ने चुनाव आरंभ होने एवं समाप्त होने की घोषणा की । उन्होंने कहा छात्र संघ का चुनाव बच्चों के भीतर नेतृत्व क्षमता को विकसित करता है। मतदान अधिकारी एक आर्ची मरकाम मतदान अधिकारी दो महक बक्शी एवं तीन की जिम्मेदारी हिमानी तिवारी एवं रोमा साहा को मिली थी। पीठासीन अधिकारी के रूप में पूनम पाणिग्रही ने चुनाव प्रक्रिया बहुत ही सुचारू ठंग से पूरी करवाई । पिंक बूथ के रूप में बूथ बनाया गया जहां महिला कर्मचारियों ने अपनी सराहनीय भूमिका निभाई। हेड बॉय के लिए तीन उम्मीदवार युगांक गायधने हिमांशु पांडे एवं जतिन रॉय थे जिसमें से हिमांशु पांडे ने मात्र दो मतों के अंतर से जीत दर्ज की, हेड गर्ल के लिए दो उम्मीदवार सादिया परवीन एवं ख्वाहिश चक्रवर्ती थे जिसमें ख्वाहिश चक्रवर्ती ने 12 मतों के अंतर से जीत दर्ज की। कार्यक्रम का संचालन अखिलेश गायधने ने किया उन्होंने कहा-जिम्मेदारियां ही बच्चों को नेता बनाती है । पूर्ण नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए जरूरी है कि घर में भी बच्चों को जिम्मेदारियां दी जाए । जो अपनी जिम्मेदारियों के लिए संवेदनशील है वही सच्चा नेता है। विद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं ने कार्यक्रम के संचालन में अपनी विशिष्ट भूमिका निभाई।

# कांवड़ियों की सेवा हमारे लिए परम सौभाग्य की बात : विधायक भावना बोहरा

**पंडरिया विधायक ने कबीरधाम से अमरकंटक पहुंचे कांवड़ यात्रियों-श्रद्धालुओं की सेवा की**

**कबीरधाम(विश्व परिवार)।** जिले के कांवड़ यात्रियों एवं श्रद्धालुओं की सेवा हेतु विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी अमरकंटक, जिला अनुपपुर (म.प्र.) में 22 जुलाई से 18 अगस्त तक तक नवनिर्मित पालिका परिषद् में उनके ठहरने एवं भोजन हेतु पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा निशुल्क व्यवस्था की गई है। प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में कबीरधाम जिले से कांवड़ यात्रियों का आगमन हो रहा है जहाँ भावना बोहरा के संस्थान के सदस्यों द्वारा उनकी सेवा की जा रही है। 27 जुलाई को विधायक भावना बोहरा भी अमरकंटक पहुंची और भगवान शिव एवं नर्मदा मैय्या के दर्शन पूजन कर समस्त छत्तीसगढ़ की खुशहाली व समृद्धि की कमाना की। इस दौरान विधायक भावना बोहरा ने कबीरधाम जिले से आए कांवड़ियों और श्रद्धालुओं से भेंट कर उनकी सेवा की। उन्होंने अपने हाथो से उन्हें भोजन परोसा और संध्या में महाआरती की। प्रतिदिन हजारों की संख्या में भक्तगण यहां आयोजित होने वाले महारती में शामिल होते हैं और प्रसाद ग्रहण करते हैं। इस दौरान आयोजित भजन संध्या में भी हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए जहाँ भक्तिमय गीतों में झूमते दिखे। कबीरधाम जिले की भाजपा महिला मोर्चा की सदस्यों ने भी इस दौरान उपस्थित थीं। इस अवसर पर भावना बोहरा ने कहा कि आज महादेव और माँ नर्मदा के दर्शन एवं पूजा करने के साथ-साथ कबीरधाम जिले से पधारे कांवड़ यात्रियों एवं श्रद्धालुओं की सेवा करने का भी सौभाग्य मुझे प्राप्त हुआ। उनके चेहरों पर आई खुशी और कठिन यात्रा के बाद हमारे प्रयास से उन्हें सुविधा मिली उसे देखकर बहुत ही प्रसन्नता हुई है। मैं कबीरधाम जिले से पधारे समस्त कांवड़ यात्रियों और श्रद्धालुओं का हार्दिक स्वागत करती हूँ और आभार भी व्यक्त करती हूँ की हमें इस पुण्य का भागीदार बनने का अवसर प्रदान किया। हमारी धार्मिक सभ्यता के प्रसार एवं उसे संजोने में आप सभी का यह अतुलनीय योगदान हमारी आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित करेगा इसके साथ ही सनातन धर्म, संस्कृति उसकी गौरवशाली महिमा को भी पोषित तथा संरक्षित करने का कार्य करेगा। भावना बोहरा ने आगे कहा कि कांवड़ यात्रा हमारी धार्मिक आस्था और भगवान भोलेनाथ के प्रति आस्था एवं विश्वास का प्रतीक है। श्रावण मास के शुभ अवसर पर कांवड़ यात्रियों की सेवा करने का हमें पुण्य अवसर मिल रहा है जो हमारे लिए सौभाग्य की बात है। भजन संध्या में भी हजारों की संख्या में आप सभी की उपस्थिति हमें अपने इन प्रयासों को निरंतर जारी रखने के लिए बल प्रदान करती है।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
# विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर मंगलवार 30 जुलाई 2024



## व्यापार समाचार

### अमित अग्रवाल ने 17वें हुंडई इंडिया कॉउचर वीक में एंटेवोरटा का किया अनावरण

**नईदिल्ली।** अनावरण किया हमेशा जन्म के समय मौजूद रहने वाली भविष्य की रोमन देवी से प्रेरित एंटेवोरटा समय और ब्रह्मांड के बीच सदाबहार संबंध का प्रतीक है इसका कलेक्शन दार्शनिक, पौराणिक, धार्मिक, वैज्ञानिक एवं ब्रह्मांड संबंधी प्रभावों को एक लौकिक कथा के रूप में पिरोता ह। एंटेवोरटा पांच विशिष्ट पहचानों के माध्यम से 'समय' की खोज है। इसका कलेक्शन में नए टेक्सटाईल एवं तकनीकों को पेश किया गया है, जो ब्राण्ड के सिगनेचर स्टाइल एवं दृष्टिकोण के साथ सही मायनों में बेजोड़ अनुभव प्रदान करते हैं। 'हमारे परिधानों की रेंज पारम्परिक फैशन की सीमाओं के परे मानवता के मूल सार को गहराई से दर्शाती है। समय को पांच अलग किंतु एक दूसरे से जुड़े पहलुओं के रूप में देखते हुए, हम फैशन के दायरे से आगे बढ़कर अपना कलेक्शन लेकर आते हैं। हम अपने पार्टनर्स- लैंसकार्ट, नाईन वेस्ट, लोटस मेकअप और इसवारी- के योगदान के लिए उनके आभारी हैं, जिन्होंने इस शो को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।' श्री अमित अग्रवाल ने कहा। एंटेवोरटा पांच अलग पहचानों के माध्यम से समय की अवधारणा की खोज है, इनमें से हर पहचान एक विशेष परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत करती हैं। ये पहचानें समय को-क्षणभंगुर क्षणों से लेकर शाश्वत चक्रों तक और जादूगर की भूमिका से लेकर संतुलन के केन्द्र तक- विविध तरीकों में प्रस्तुत करती हैं। इस कलेक्शन में आधुनिक टेक्सटाईल एवं तकनीकों को ब्राण्ड के अनूठे स्टाइल के साथ पेश किया गया है, जो सही मायनों में विशिष्ट और मन को छू जाने वाला है। इन विभिन्न लौकिक अनुभवों के साथ एंटेवोरटा का उद्देश्य तकनीकी इनोवेशन को दर्शाना तथा समय की प्रकृति पर भावनात्मक एवं दार्शनिक अभिव्यक्ति को स्पष्ट करना है।

### द सॉलिटेयर्स फेस्टिवल ऑफ इंडिया के लिए डिवाइन सॉलिटेयर्स ने अभिनेत्री वाणी कपूर के साथ मिलाया हाथ

**मुंबई:** डायमंड सॉलिटेयर ज्वैलरी का एक प्रमुख ब्रांड, डिवाइन सॉलिटेयर्स अगस्त के फीके महीने में कुछ चमक बिखेरने के साथ-साथ आने वाले त्यौहारों और शादियों के मौसम की धमाकेदार शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार है। अब यह ब्रांड 2024 में लगातार तीसरे साल द सॉलिटेयर फेस्टिवल ऑफ इंडिया (TSFI) के साथ भारत में डायमंड सॉलिटेयर के प्रचार-प्रसार के लिए सबसे बड़े आयोजन की शुरुआत करने जा रहा है— और इस बार अभिनेत्री वाणी कपूर ब्रांड एंबेसडर होंगी! वॉर, शुद्ध देसी रोमांस और बेफिक्रे जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में अपनी भूमिकाओं के लिए मशहूर अदाकारा, वाणी कपूर की मौजूदगी से इस साल का यह कार्यक्रम कामयाबी का परचम लहराने वाला है। वाणी अपने साथ स्टार मैजिक का तड़का लेकर आई हैं, जिनके इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स की संख्या 8 मिलियन है। इसमें ज्यादातर भारत के सशक्त युवा शामिल हैं, जो इस साल के कैंपेन को चर्चा का विषय बना देंगे। हर साल आयोजित होने वाला यह फेस्टिवल, इस बार 1 से 31 अगस्त के दौरान 200 से ज्यादा पार्टनर ज्वैलर्स स्टोर्स और https://shop.divinesolitaires.com पर जारी रहेगा, जिसमें भारत के कुछ बेहतरीन हीरा आभूषण निर्माताओं के सॉलिटेयर कलेक्शन पेश किए जाएँगे।

### बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस बना रहा है छत्तीसगढ़ के किसानों को सशक्त

**छत्तीसगढ़,:** भारत की प्रमुख इंश्योरेंस कंपनी बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस, छत्तीसगढ़ राज्य में खरीफ 2024 सीज़न के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के तहत फसलों के लिए बीमा की सुविधा प्रदान कर रही है. इस योजना के अंतर्गत बस्तर, बेमेतरा, बीजापुर, कोरिया, सारंगढ़- बिलाईगढ़, गरियाबंद, जांजगीर-चांपा, कबीरधाम, कांकेर, सक्ती, मोहला - मानपुर - अम्बागढ़ चौकी सहित कई जिलों में कवरेज प्रदान की जा रही है. इसके तहत धान (सिंचाई और गैर-सिंचाई वाला), मक्का, काला चना, अरहर दाल, हरी मूंग दाल, मूंगफली, सोयाबीन, कोडो, कुटकी और रागी जैसी विभिन्न प्रकार की फसलों के लिए व्यापक बीमा प्रदान की जाएगी. इस पहल का उद्देश्य किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना, उनके नुकसानों को कम करना और कृषि क्षेत्र में नई पद्धतियों को बढ़ावा देना है. यह घोषणा करते हुए, बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस में कृषि बिज़नेस के प्रमुख श्री आशीष अग्रवाल ने कहा,बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस में, हम देश के प्रति किसानों के अनूठे योगदान का सम्मान करते हैं. एमएफबीवाई योजना एक अच्छी पहल है, जिसे कुदरती नुकसान से ज़रूरी आर्थिक सुरक्षा प्रदान करके किसानों को सशक्त बनाने के लिए बनाया गया है. हमारी प्रतिबद्धता न केवल व्यापक कवरेज प्रदान करना है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि किसानों को पूरी प्रक्रिया के दौरान सही एवं पूरी जानकारी मिले और उनकी पूरी सहायता की जाए.

### एफपीआई ने जुलाई में अबतक शेयरों में 33,600 करोड़ रुपये डाले

**नईदिल्ली( एजेंसी )।** नीतिगत सुधार जारी रहने की उम्मीद, सतत आर्थिक वृद्धि और कंपनियों के उम्मीद से बेहतर तिमाही नतीजों के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने अबतक भारतीय शेयर बाजार में 33,600 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। हालांकि, सरकार द्वारा बजट में वायदा और विकल्प व्यापार (एफएंडओ) और इक्विटी निवेश से पूंजीगत लाभ पर कर में बढ़ोतरी के बाद एफपीआई ने पिछले तीन कारोबारी सत्रों (24-26 जुलाई) में शेयरों से 7,200 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय शेयर बाजार इस साल विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए अच्छी स्थिति में है। हालांकि, कुछ घटनाक्रमों की वजह से मासिक आधार पर इनमें कुछ उतार-चढ़ाव रह सकता है। बजाज फिनसर्व एएमसी के सीआईओ निमेश चंदन ने कहा, भारतीय शेयर बाजार और ऋण या बॉन्ड बाजार इस वर्ष अनुकूल स्थिति में हैं। इससे देश में विदेशी प्रवाह आकर्षित होना चाहिए। हालांकि, माह-दर-माह आधार पर इसमें कुछ उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने (26 जुलाई तक) शेयरों में शुद्ध रूप से 33,688 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

# कभी नहीं सोचा था कि मैच हमसे दूर चला जाएगा: सूर्यकुमार यादव

**भारत की 43 रन से जीत के बाद सूर्यकुमार ने कहा**

**पल्लेकेले( एजेंसी )।** श्रीलंका पर 43 रनों की जीत के साथ भारत के तीन मैचों की टी20 सीरीज में 1-0 से आगे होने के बाद, कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि टीम ने कभी नहीं सोचा था कि मैच लगभग उनके हाथ से निकल जाएगा। श्रीलंका ने पूरी ताकत झोंक दी और 140/1 पर अच्छी तरह से तैयार था, लेकिन 30 रन पर अपने शेष नौ विकेट खोने से उसे 43 रन से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले, पल्लेकेले अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में, सूर्यकुमार ने 28 गेंदों में 56 रन बनाए, जो उनका 20वां टी20 अर्धशतक था, और इस प्रारूप में भारत के पूर्णकालिक कप्तान के रूप में उनका पहला अर्धशतक था और उन्होंने टीम को 213/7 तक पहुंचाया। वे पहली गेंद से ही अच्छे ब्रांड का क्रिकेट खेल रहे थे। वे लय बरकरार रखे हुए थे, इसका श्रेय उन्हें जाता है। हमने यहां दो-तीन दिनों तक अभ्यास किया और हमें पता था कि रात में विकेट कैसा होगा। मैच खत्म होने के बाद सूर्यकुमार ने कहा, हमने कभी नहीं सोचा था कि यह हमसे दूर चला जाएगा। हम भाग्यशाली थे कि ओस नहीं थी। हमने विश्व कप में जिस तरह से खेला, उससे हमें याद आया कि खेल अभी बहुत दूर है। टीम के लिए जो भी काम करेगा, हम (बाएं-दाएं बल्लेबाजी संयोजन जारी रखने पर) फैसला लेंगे। इसी तरह के विचार उप-कप्तान शुभमन गिल ने भी व्यक्त किए, जो यशस्वी जयसवाल के साथ 74 रन की शुरुआती साझेदारी में शामिल थे। वास्तव में नहीं (घबराया हुआ)। हमने अच्छे संचार के बारे में बात की और हम जानते थे कि हमें सिर्फ एक विकेट की जरूरत है (जब श्रीलंका का स्कोर 140/1 था)। उनके (जायसवाल) साथ बल्लेबाजी करना बहुत अच्छा है और हम एक दूसरे के पूरक हैं। हमारी शैली अलग है, हमारी योजना सरल है - परिस्थितियों का आकलन करें और फिर गेंदबाजों का सामना करें। जब आप पारी की शुरुआत कर रहे हों, तो देखें कि पिच कैसा व्यवहार कर रही है और उसके अनुसार खेलें (यही योजना है)। श्रीलंका के कप्तान चरिथ असालंका ने अपनी टीम के मध्यक्रम के बल्लेबाजी प्रदर्शन पर अफसोस जताया। हम पावरप्ले में (गेंद के साथ) अच्छे प्रदर्शन पर नहीं थे, लेकिन बाद के हिस्से में, हमने काफी मजबूत वापसी की। किसी स्तर पर, हमने सोचा था कि वे 240 तक पहुंच सकते हैं, लेकिन हमने अच्छा किया (उन्हें 213 पर रोककर)। उन्होंने निष्कर्ष निकाला, मध्यक्रम ने जिस तरह से बल्लेबाजी की, उससे थोड़ा निराश हूं, हम बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे। (अपनी ओर से) यह एक प्रयोग है, लेकिन भविष्य में हमें इसी रास्ते पर चलना चाहिए। दोनों टीमों के बीच दूसरा मैच रविवार शाम को पल्लेकेले में होगा।

## नाइजीरियाई मुक्केबाज सिंथिया ओगुनसेमिलोर डोपिंग के लिए अस्थायी रूप से निलंबित

**पेरिस( एजेंसी )।** अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (आईटीए) ने कहा कि नाइजीरियाई मुक्केबाज सिंथिया टेमिटायो ओगुनसेमिलोर को पेरिस ओलंपिक में अपनी शुरुआती लड़ाई से पहले डोपिंग रोधी नियमों का उल्लंघन करने के लिए अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। इराकी जुडोका सज्जाद सेहेन और डोमिनिकन वॉलीबॉल खिलाड़ी लिसवेल ईव मेजिया के बाद ओलंपिक खेलों की शुरुआत के बाद से डोपिंग का यह तीसरा मामला है। आईटीए ने कहा, मुक्केबाज सिंथिया टेमिटायो ओगुनसेमिलोर से लिए गए एक नमूने में एक निर्दिष्ट प्रतिबंधित पदार्थ, फ्यूरोसेमाइड (विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) निषिद्ध पदार्थों की सूची के अनुसार श्रेणी एस5

मूत्रवर्धक और मास्किंग एजेंट के रूप में वर्गीकृत) के लिए एक प्रतिकूल विश्लेषणात्मक परिणाम सामने आया। 22 वर्षीय ओगुनसेमिलोर को सोमवार को -60 किग्रा वर्ग में ओलंपिक टूर्नामेंट में पदार्पण करना था। ओगुनसेमिलोर को मामले की जानकारी दे दी गई है और विश्व डोपिंग रोधी संहिता और ओलंपिक गेम्स पेरिस 2024 पर लागू आईओसी डोपिंग रोधी नियमों के अनुरूप मामले का समाधान होने तक अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। इसका मतलब यह है कि मुक्केबाज को ओलंपिक गेम्स पेरिस 2024 के दौरान प्रतिस्पर्धा, प्रशिक्षण, कोचिंग या किसी भी गतिविधि में भाग लेने से रोका जाता है। नमूना 25 जुलाई को पेरिस में प्रतियोगिता से बाहर एंटी-डोपिंग नियंत्रण के दौरान अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के परीक्षण प्राधिकरण और परिणाम प्रबंधन के तहत आईटीए द्वारा एकत्र किया गया था। परिणाम 27 जुलाई को पेरिस की वाडा-मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला द्वारा रिपोर्ट किया गया था।

## मुक्केबाज प्रीति ने महिलाओं के 54 किग्रा में किम अन्ह पर शानदार जीत दर्ज की

**पेरिस( एजेंसी )।** भारत की प्रीति पवार पहले दौर के मुकाबले में शानदार जीत के साथ मुक्केबाजी में महिलाओं के 54 किग्रा वर्ग के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं। हरियाणा के भिवानी की 20 वर्षीय खिलाड़ी ने नॉर्थ पेरिस एरेना में राउंड 32 में वियतनाम के वो थी किम अन्ह को 5-0 से हरा दिया। अब उनका मुकाबला दूसरी वरीयता प्राप्त कोलंबिया की येनी एरियास से होगा। शनिवार की पूरी बाउट के दौरान प्रीति ने अपनी प्रतिद्वंद्वी को लय हासिल नहीं करने दी। शुरुआत में भारतीय मुक्केबाज को कुछ दिक्कतों का सामना करना

पड़ा लेकिन फिर उन्होंने शानदार वापसी की और पहला मुकाबला जीत लिया। 14 साल की उम्र में, प्रीति को उनके चाचा विनोद ने मुक्केबाजी से परिचित कराया, जो खुद राष्ट्रीय स्तर के पदक विजेता मुक्केबाज थे। विनोद ने प्रीति के पिता, जो हरियाणा पुलिस में सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) के रूप में काम करते हैं, को उन्हें मुक्केबाजी में हाथ आजमाने के लिए मना लिया और उन्हें कोचिंग देना शुरू कर दिया। बॉक्सिंग में करियर बनाने के लिए प्रीति को अपने परिवार से पूरा सहयोग मिला और उन्होंने उनके विश्वास को कम नहीं होने दिया। हालाँकि उन्होंने थोड़ी देर से शुरुआत की, छह साल में, प्रीति ने घरेलू सर्किट से अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक प्रगति की, पिछले साल हांगझाऊ एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता और अपनी पहली विश्व चैम्पियनशिप में भी देश का प्रतिनिधित्व किया।

## इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश जून तिमाही में पांच गुना होकर 94,151 करोड़ रुपये पर

**नई दिल्ली( एजेंसी )।** इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश जून, 2024 में समाप्त तिमाही में पांच गुना होकर 94,151 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। एक साल पहले समान तिमाही में यह आंकड़ा 18,358 करोड़ रुपये था। मजबूत आर्थिक माहौल, सरकार की अनुकूल राजकोषीय नीतियां, निवेशकों का भरोसा और शेयर बाजारों में तेजी के बीच इक्विटी म्यूचुअल फंड को लेकर आकर्षण बढ़ा है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार, जून में उद्योग के प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां (एयूएम) 59 प्रतिशत बढ़कर 27.68 लाख करोड़ रुपये हो गईं, जो एक साल पहले 17.43 लाख करोड़ रुपये थीं। परिसंपत्ति आधार में मजबूत वृद्धि के साथ इक्विटी म्यूचुअल फंड के निवेशकों

की संख्या भी बढ़ी है। इस दौरान निवेशक आधार तीन करोड़ बढ़ा है और फोलियो की संख्या बढ़कर 13.3 करोड़ हो गई है। स्टॉक ट्रेडिंग मंच ट्रेडजिनी के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) त्रिवेश डी ने बताया कि इक्विटी फोलियो की संख्या में बढ़ोतरी से पता चलता है कि विभिन्न निवेशक खंडों में भागीदारी व्यापक हो रही है। इसकी वजह वित्तीय जागरूकता तथा निवेश मंचों तक सुगम पहुंच है। एम्फी के आंकड़ों के अनुसार, इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड योजनाओं में जून, 2024 को समाप्त तिमाही में 94,151 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। अप्रैल में इन योजनाओं में 18,917 करोड़ रुपये, मई में 34,697 करोड़ रुपये और जून में 40,537 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश जून तिमाही में पांच गुना होकर 94,151 करोड़ रुपये हो गया। यह जून, 2023 को समाप्त तिमाही में 18,358 करोड़ रुपये था। मार्च, 2024 की पिछली तिमाही की तुलना में जून तिमाही में निवेश 32 प्रतिशत अधिक रहा है। मार्च तिमाही में यह आंकड़ा 71,280 करोड़ रुपये रहा था। आनंद राठी वेल्थ के डिप्टी सीईओ (मुख्य कार्यपालक अधिकारी) फिरोज अजीज ने कहा कि मजबूत वृहद आर्थिक बुनियाद, बजटीय लक्ष्य से अधिक कर संग्रह, कम राजस्व व्यय और अधिक पूंजीगत व्यय जैसी सरकार की अनुकूल राजकोषीय नीतियों की वजह से इक्विटी म्यूचुअल फंड के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है।

## उद्घाटन समारोह में महिला खिलाड़ियों की पोशाक से निराश हुईं ज्वाला गुट्टा

**पेरिस( एजेंसी )।** पूर्व युगल विशेषज्ञ बैडमिंटन स्टार ज्वाला गुट्टा पेरिस ओलम्पिक के उद्घाटन समारोह में भारतीय खिलाड़ियों की पोशाक से काफी निराश हुई हैं। ज्वाला ने एक्स पर लिखा, इस बार ओलम्पिक में भाग लेने वाले भारतीय दल के लिए जो वस्त्र बनाए गए थे, उससे मुझे भारी निराशा हुई है (खासकर जब डिज़ाइनर की घोषणा की गई तो मुझे बहुत उम्मीदें थीं) उन्होंने कहा,सबसे पहले, सभी लड़कियों को साड़ी पहनना नहीं आता...डिजाइनर ने इस सामान्य ज्ञान का उपयोग क्यों नहीं किया और प्री-ड्रेप्ड साड़ी (जो वर्तमान चलन में है) क्यों नहीं बनाई। लड़कियाँ असहज लग रही थीं, ब्लाउज ख़राब फिटिंग का था। ज्वाला ने कहा,और दूसरा रंग और प्रिंट सुंदर भारतीय के बिल्कुल विपरीत था। डिजाइनर के पास कढ़ाई या हाथ से पेंट के माध्यम से हमारी संस्कृति की कला को प्रदर्शित करने का अवसर था। यह पूर्णतया औसत दर्जे का काम था और जर्जर लग रहा था। उन्होंने कहा,मैं वास्तव में उम्मीद करती हूं कि खेल परिवार हमारे खिलाड़ियों के कोर्ट और ऑफ कोर्ट के प्रदर्शन की गुणवत्ता से समझौता करना बंद कर देगा।

## एयरटेल ने 5G ट्रैफिक की तेज़ी से बढ़ती माँग पूरी करने के लिए मिड-बैंड स्पेक्ट्रम का पुनः उपयोग शुरू किया

**नई दिल्ली ( एजेंसी )।** भारत के प्रमुख दूरसंचार सेवा प्रदाताओं में से एक, भारती एयरटेल (एयरटेल) ने आज घोषणा की कि उसने अपने 5G ट्रैफिक की नेटवर्क से जुड़ी जरूरत में तेजी से होती वृद्धि पूरी करने अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए पर अपने मौजूदा मिड-बैंड स्पेक्ट्रम को नए सिरे से व्यस्थित करना शुरू कर दिया है। जैसे-जैसे अधिक-से -अधिक ग्राहक 5G नेटवर्क की ओर बढ़ते जा रहे हैं, एयरटेल देश भर में अपने 1800, 2100, 2300 मेगाहर्ट्ज बैंड पर 5G सेवाओं का विस्तार करने के लिए अपने मिड-बैंड स्पेक्ट्रम का नए सिरे से तैयार कर रही है।

मिड-बैंड स्पेक्ट्रम का उपयोग किए जाने पर ग्राहकों को बेहतर इनडोर कवरेज के अलावा पहले से अधिक तेज गति की ब्राउज़िंग का लाभ मिलेगा। जैसे-जैसे डेटा की मांग बढ़ती जा रही है, एयरटेल भी अपने ग्राहकों को शानदार 5G अनुभव देने के लिए अपने मौजूदा स्पेक्ट्रम को तेज गति से नए सिरे से तैयार कर रहा है। रणदीप सेखों, सीटीओ, भारती एयरटेल ने कहा, जैसे-जैसे अधिक ग्राहक हमारी 5G सेवाओं की ओर बढ़ रहे हैं, हम अपने मिड बैंड स्पेक्ट्रम को नए सिरे से तैयार करते जा है जिसका उपयोग पहले 4G सेवाएं देने के लिए किया जा रहा था। इसी के हम स्टैंड-अलोन टेक्नोलॉजी लॉन्च करने के लिए भी तैयार हैं। इसका मतलब यह होगा कि एयरटेल नेटवर्क भारत में पहला नेटवर्क होगा जो स्टैंड-अलोन और नॉन-स्टैंडअलोन दोनों मोड पर काम करेगा, जिससे हम बाजार में बेहतरीन अनुभव दे सकेंगे। स्टैंड-अलोन (SA) और नॉन-स्टैंडअलोन (NS) स्विच के पायलट परीक्षण रेवाड़ी, चेन्नई और भुवनेश्वर में किए गए हैं और इनके परिणाम उत्साहजनक रहे हैं। 5G नेटवर्क पर यह क्षमता प्राप्त होने पर एयरटेल ओपन एपीआई, अलग-अलग कनेक्टिविटी विकल्प प्रदान करने और सेवा-आधारित आर्किटेक्चर के माध्यम से नए नवाचारिक एप्लीकेशन, सेवाओं और समाधानों को प्रस्तुत कर सकेगी। पिछले एक साल में, एयरटेल ने उपयोग करने के कई शक्तिशाली मामलों में 5G की कार्यक्षमता का प्रदर्शन किया है, जिसने ग्राहकों के जीवन जीने और व्यापार करने के तरीके को बदल दिया है।

**कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लो.नि.वि.. संभाग क्र0-3.**
डी-1/17, सेक्टर-17, नवा रायपुर अटल नगर, जिला-रायपुर (छ.ग.)

**प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना**

NIT- 06/2024-2025/ व ले नि — दिनांक : 15-07-2024

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि:- 05/08/2024 अपरान्ह 5.30 बजे तक

ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि:- 12/08/2024 अपरान्ह 5.30 बजे तक

निविदा खोलने की तिथि :- 13/08/2024 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

निविदाकारों की श्रेणी:- ई-पंजीयन के अंतर्गत श्रेणी "द" से "अ" तक

| निविदा क्र. | कार्य का नाम | कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि(रु.में) बैंक साल्वेंसी (रु.में) |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| T0017 | उपसंभाग अभनपुर के खिलोरा सेक्शन अंतर्गत आने वाले विभिन्न आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में विशेष मरम्मत कार्य | 5.00<br>5000.00<br>75000.00 |

आवेदन के साथ Registation Copy, GST Certificate, Bank Solvency एवं जी.एस.टी. भुगतान का 3 बी प्रस्तुत करना अनिवार्य है

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र मे उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है। अन्य जानकारी हेतु संभागीय कार्यालय में संपर्क करे

G-242501396/2

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग, संभाग क्र- 3
रायपुर

दैनिक
# विश्व परिवार
महानगर

www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, मंगलवार 30 जुलाई 2024

## छत्तीसगढ़ में अब तक 548.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

**रायपुर (विसं)।** राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2024 से अब तक राज्य में 548.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून 2024 से आज 29 जुलाई सवेरे तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1317.3 मिमी और सरगुजा जिले में सबसे कम 202.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर जिले में 329.4 मिमी, बलरामपुर में 463.2 मिमी, जशपुर में 352.0 मिमी, कोरिया में 345.2 मिमी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 372.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी।



## संक्षिप्त समाचार

### स्वच्छ शहर प्लास्टिक मुक्त शहर

**रायपुर (विश्व परिवार)।** शंकर नगर वार्ड क्रमांक 30 में हम स्वच्छता अभियान के तहत कपड़े के थैले का वितरण लगातार कर रहे है हमारे कार्यालय में भी हम नए राशन कार्ड के साथ कपड़े का थैला भी दे रहे है साथ ही साथ बाजारों में भी लोगो को जागरूक कर कपड़े का थैला वितरित कर रहे है।जिससे आमजन सब्जी या अन्य सामान लेने जब भी बाजार जाए तो कम से कम पॉलिथीन की जगह कपड़े के थैले का उपयोग करे।

### 15 अगस्त तक 10 नये विद्युत उपकेंद्र पूर्ण करने के निर्देश, एमडी डिस्ट्रीब्यूशन ने ली समीक्षा बैठक

**रायपुर (विश्व परिवार)।** छत्तीसगढ़ स्टेट डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीमसिंह ने क्षेत्रीय ईडी,मुख्य अभियंता तथा अन्य

मैदानी अधिकारियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक लेकर अनेक महत्वपूर्ण निर्देश दिये। मुख्य मंत्री श्री विष्णुदेव साय तथा ऊर्जा सचिव एवं स्टेट पॉवर कंपनियों के अध्यक्ष श्री पी.दयानंद के निर्देशानुसार श्री भीम सिंह ने अधोसंरचना विकास परियोजनाओं में तेजी लाने की हिदायत दी। श्री भीमसिंह ने ऑडिट पैरा के निराकरण के कार्य को गंभीरता से नहीं लेने वाले अधिकारीगण को फटकार लगाते हुये कहा कि एक सप्ताह में 70 प्रतिशत राशि की वसूली की जाए। उन्होंने 33/11 केवी क्षमता के उपकेंद्रों के लंबित कार्यों को तेजी से पूर्ण करने के निर्देश देते हुये कहा कि 15 अगस्त तक कम से कम 10 नये उपकेन्द्रों का निर्माण पूरा हो जाना चाहिये। जो ठेकेदार समय पर कार्य पूरा करने में कोताही कर रहे हैं ,उनके खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्यवाही की जानी चाहिए।

### आशा दैवी रेखचन्द लुनिया चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर एवं चश्मा वितरण

**रायपुर (विश्व परिवार)।** अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद द्वारा करगिल विजय दिवस समारोह के अवसर पर आशुतोष अलका अग्रवाल मंगल भवन अभनपुर करगिल विजय दिवस मनाया गया इस शुभअवसर पर ए एस जी नेत्र चिकित्सालय शंकर नगर रायपुर द्वारा नि:शुल्क नेत्र जांच किया गया एवं आशा देवी रेख चंद लुनिया चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आवश्कतानुसार जरूरदमन्दों को नि:शुल्क चश्मा वितरण किया गया। इस शुभ अवसर पर श्री योगेश साहू सचिव अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद जिला रायपुर पीयूष जैन ए एस जी आई हॉस्पिटल से श्री शोभराम पटेल विजय कुमार दिव्या पाल आदि उपस्थित थे।

### पौधा वितरण कर पर्यावरण सुरक्षा के लिए किया गया जागरूक

**धमतरी (विश्व परिवार)।** माँ कामाख्या धर्मादा ट्रस्ट के तत्वाधान में आज जिलाध्यक्ष श्रीमति कमलेश गुप्ता के द्वारा पौधा वितरण कर पर्यावरण के प्रति जागरूक किया गया साथ में सभी को वृक्ष लगाने की और उसकी सुरक्षा करने को कहा गया, सावन सोमवार के अवसर पर सुंदरकांड का पाठ किया गया और सबको भोजन प्रसाद कराया गया। इस कार्य में श्रीमति कमलेश गुप्ता ,विष्णु प्रकाश साहू ,जी रेणुका केसरवानी , बसंती शर्मा, सुनैना मिश्रा अनीता पांडे, सपना पांडे , कमला पांडे , कमलिता साहू, लक्ष्मी बया, पूनम तिवारी,लक्ष्मी पमपमवार उपस्थित रहे।

### कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने जनदर्शन में सुनी आम नागरिकों की समस्याएं

**रायपुर (विश्व परिवार)।** कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में जनदर्शन के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याएं सुनी। कलेक्टर ने आम नागरिकों की समस्याओं का निराकरण करने के निर्देश भी दिए। सोमवार को जनदर्शन में अनेक आवेदन प्राप्त किए गए। इस दौरान बोरिया निवासी श्री तोरन यादव ने दिव्यांगता के आधार पर बैटरी रहित ट्राय सायकल प्राप्त करने, ग्राम धनेली निवास श्री नरेश श्रीवास ने ग्राम धनेली में व्यवस्थापन के तहत भूमि की मांग, माना कैम्प निवासी श्री भागवत प्रसाद कोसले ने पेंशन बहाल करने, जनता कॉलोनी निवासी श्री श्रेयांश ठाकरे ने अवैध कब्जा हटाने, ग्राम टेकारी श्री नेतराम सिंह ठाकुर ने नक्शा बटांकन, कोरसी तहसील आरंग निवासी श्री रामकुमार साहू से बेजा कब्जा हटाने जैसे अन्य आवेदन प्राप्त हुए। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

# कुरुक्षेत्र के सांसद नवीन जिन्दल को महात्मा हंसराज गौरव सम्मान

### दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज के 77वें स्थापना दिवस समारोह में किया गया सम्मानित

### तिरंगा जन-जन तक पहुंचाने के लिए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने की नवीन जिन्दल की तारीफ

**रायपुर (विश्व परिवार)।** दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज के 77वें स्थापना दिवस समारोह में कुरुक्षेत्र के सांसद और देश के अग्रणी उद्योगपति नवीन जिन्दल को महात्मा हंसराज गौरव सम्मान से अलंकृत किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा के लिए लंबा कानूनी संघर्ष करने और उसे जन-जन तक पहुंचाने के लिए नवीन जिन्दल के अथक प्रयासों की उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंच से भरपूर तारीफ की।

राजनीति, उद्योग, शिक्षा जगत और पोलो, निशानेबाजी जैसे खेलों को एक नई ऊंचाई पर पहुंचाने वाले कुरुक्षेत्र के सांसद नवीन जिन्दल को हंसराज कॉलेज ने दो दिन पूर्व अपने 77वें स्थापना दिवस पर खास मेहमान के रूप में आमंत्रित किया था। जिन्दल ने इसी कॉलेज से कॉमर्स में डिग्री हासिल की है। अपने इस होनहार छात्र की उपलब्धियों को देखते हुए हंसराज कॉलेज ने नवीन जिन्दल को महात्मा हंसराज गौरव सम्मान से अलंकृत किया। यह सम्मान उन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह और हंसराज कॉलेज की प्राचार्या प्रो. रमा ने प्रदान किया।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलाधिपति जगदीप धनखड़ ने तिरंगा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए नवीन जिन्दल के प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि नवीन जिन्दल अपने उद्देश्य के प्रति इतने समर्पित थे कि वे नागरिकों को साल के 365 दिन तिरंगा फहराने का अधिकार दिलाने के लिए सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंच गए।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि वे सैनिक स्कूल-चित्तौड़गढ़ के विद्यार्थी हैं, जहां के पूर्व छात्रसंघ ने उनसे अनुरोध किया है कि उनके स्कूल में भी नवीन जिन्दल विशाल राष्ट्रीय ध्वज लगाएं। उन्होंने पूर्व छात्रसंघ को भरोसा दिलाया कि जब वे नवीन जिन्दल के कॉलेज जाएंगे, जहां से उन्होंने अपनी ग्रेजुएशन पूरी की है, वहां वे निवेदन करेंगे कि सैनिक स्कूल-चितौड़गढ़ में भी विशाल ध्वज फहराएं। उपराष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि नवीन जिन्दल जैसे विद्यार्थी सिद्ध करते हैं कि हंसराज कॉलेज की महत्ता क्या है। उन्होंने देश के उद्यमिता और रोजगार सृजन के लिए नवीन जिन्दल के प्रयासों की भी सराहना की। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. प्रभांशु ओझा ने बताया कि नवीन जिन्दल हंसराज कॉलेज को लेकर अत्यंत भावुक हैं और सदैव कॉलेज के सहयोग के लिए तत्पर रहते हैं।

गौरतलब है कि नवीन जिन्दल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि उपराष्ट्रपति द्वारा तिरंगे के लिए उनके प्रयासों और संघर्षों की सराहना उनके लिए गर्व का विषय है। तिरंगा हमें न सिर्फ एकजुट करता है बल्कि राष्ट्र निर्माण में योगदान करने के लिए प्रेरित भी करता है।

# छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी में अनामिका मण्डावी को प्रकाशन अधिकारी का वेतनमान

**रायपुर (विश्व परिवार)।** छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज में पदस्थ सहायक प्रकाशन अधिकारी श्रीमती अनामिका मण्डावी को उच्च वेतनमान स्वीकृत करने का आदेश छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा जारी कर किया गया है। वे कार्यालय अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) में ही पदस्थ रह कर अपने पद एवं दायित्व का निर्वाह करेगी।

श्रीमती अनामिका मण्डावी छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी में वर्ष 2015 में सहायक प्रकाशन अधिकारी के रूप में चयनित हुई थी। उन्होंने हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम में पदस्थापना के साथ-साथ अपनी सेवाएं प्रारंभ की। तत्पश्चात् उनकी योग्यता एवं प्रतिभा को देखते हुए उन्हें पॉवर कंपनी मुख्यालय डंगनिया में पदस्थ किया गया। वे जनसम्पर्क विभाग के अन्य कार्यों के अतिरिक्त मासिक पत्रिका 'संकल्प' में संपादकीय सहयोगी के रूप में संलग्न है। पदोन्नति के पद का वेतनमान मिलने के अवसर पर आज उनका कार्यालय में अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्र, प्रकाशन अधिकारी श्री गोविंद पटेल, वरिष्ठ छायाकार श्री संजय टेम्बे, कार्यालयीन सहयोगी श्रीमती सारिका साहू, प्रसन्न दुबे एवं शुभम बंछौर उपस्थित थे।

# एएम/एनएस इंडिया द्वारा चित्रकोंडा पाइपलाइन गांवों में प्राथमिक विद्यालयों को डेस्क-बेंच का वितरण किया गया

### एएम/एनएस इंडिया के इस पहल से प्राथमिक शिक्षा को मिलेगा बढ़ावा

**रायपुर (विश्व परिवार)।** आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया कम्पनी (AM/NS) के प्रोजेक्ट 'पढ़ेगा भारत' के तहत् चित्रकोंडा के पाइपलाइन कॉरिडोर में स्थित प्राथमिक विद्यालयों को शिक्षा में सुधार और छात्रों के लिए बेहतर पढ़ाई का वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से 40 नई डेस्क और बेंच का वितरण किया गया। इस पहल के अंतर्गत कादोगुमा और फूलपदर गांवों के स्कूलों को भी शामिल किया गया।

28 जुलाई को हुए इस कार्यक्रम में एएम/एनएस इंडिया के सीएसआर प्रमुख श्री नवीन अमंग, व्यवस्थापक श्री कृष्णा राव द्वारा शाला प्रबंधन को सरपंच, वार्ड सदस्य एवं अभिभावकों की उपस्थिति में डेस्क एवं बेंच प्रदान किया गया।

एएम/एनएस इंडिया कम्पनी रोजगार, स्पोर्ट्स, ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएं, सामाजिक कल्याण एवं बच्चों के शैक्षिक विकास के लिए सदैव प्रतिबद्ध रही है। इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से कम्पनी की प्राथमिकता है कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले और वे आरामदायक वातावरण में पढ़ाई कर सकें। साथ ही इन नई डेस्क और बेंच से बच्चों को बैठने और लिखने में सुविधा होगी, जिससे उनकी शिक्षा में सुधार लाया जा सकता है।

# डॉ. प्रदीप की 'संस्कारों की पाठशाला' को मिला अखिल भारतीय साहित्य सम्मान

**रायपुर (विश्व परिवार)।** महाराष्ट्र की अग्रणी साहित्यिक संस्थान साहित्य अर्चन मंच, नागपुर द्वारा अखिल भारतीय साहित्य सम्मान के अंतर्गत प्रतिष्ठित श्री रामभाऊ सखाराम पंत महाजन स्मृति सम्मान 2024 पुरस्कार छत्तीसगढ़ के डॉ. प्रदीप कुमार शर्मा की बाल कहानी संग्रह संस्कारों की पाठशाला को दिया गया है। पुरस्कार के रूप में शाल, श्रीफल, स्मृति चिह्न, प्रशस्ति पत्र के साथ ही नगद राशि भी दी गई।

यह सम्मान समारोह उत्कर्ष सभागृह, विदर्भ हिन्दी साहित्य सम्मेलन, नागपुर के मोरभवन में 28 जुलाई को आयोजित की गई थी। इसमें देशभर के विभिन्न राज्यों के कुल 28 साहित्यकारों को विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट कृतियों के लिए सम्मानित किया गया। साहित्यकारों का सम्मान प्रख्यात साहित्यकार एवं कुलपति श्रीकृष्ण स्वास्थ्य विश्वविद्यालय कराड़ डॉ. वेदप्रकाश मिश्र के कर कमलों से सम्पन्न हुआ। सम्मान समारोह के प्रमुख अतिथि डॉ. भूषण कुमार उपाध्याय, पूर्व पुलिस कमिश्नर, नागपुर थे।

उल्लेखनीय है कि छ: महीने पहले ही राजस्थान के नाथद्वारा की प्रतिष्ठित साहित्य मण्डल द्वारा डॉ. प्रदीप कुमार शर्मा को श्री भगवती प्रसाद जी देवपुरा स्मृति एवं राष्ट्रीय बाल साहित्य समारोह 2024 में श्री वैभव कालरा स्मृति सम्मान एवं बाल साहित्य विभूषण की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। डॉ. प्रदीप कुमार शर्मा की कविता, कहानी, जीवनी, लघुकथा आदि विभिन्न विधाओं की प्रतिष्ठित प्रकाशन संस्थाओं से अब तक सत्रह पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं।

# आरपीएफ द्वारा चेन पुलिंग के संबंध में बड़ी कार्यवाही

### यात्रियों से अपील- 'ट्रेनों में अलार्म चेन का दुरुपयोग न करें'

**रायपुर (विश्व परिवार)।** दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर रेल मंडल यात्रियों से अपील करता है कि वे बिना किसी उचित कारण के छोटी-मोटी वजहों से ट्रेनों में अलार्म चेन खींचने से बचें और इसका सहारा केवल आपातकालीन स्थितियों के दौरान ही लिया जाना चाहिए। सुरक्षा संबंधी मुद्दों का सामना करने के लिए यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेनों में अलार्म चेन प्रदान की जाती हैं ताकि किसी भी अप्रिय घटना घटित होने से रोका जा सके। अलार्म चेन खींचना (एसीपी) पूरे भारत में रेल सेवाओं के देरी से चलने के लिए एक प्रमुख कारण है। किसी भी रेलगाड़ी के असामान्य रूप से रुकने से न केवल उस विशेष रेलगाड़ी की समयबद्धता प्रभावित होती है, बल्कि उसके पीछे चलने वाली सभी रेलगाड़ियों की समयबद्धता भी प्रभावित होती है, साथ ही रेल यात्रियों का बहुमूल्य समय भी बर्बाद होता है।

इसी कड़ी में रायपुर डिवीज़न में रेल यात्रियों द्वारा ट्रेन में लगातार किए जा रहे चेन पुलिंग कि शिकायत पर वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल, रायपुर, श्री रमन कुमार द्वारा आर पी एफ कि टीम बनाकर रेलवे स्टेशन भिलाई पावर हाउस में कार्यवाही करने हेतु आदेश किया गया। रेलवे सुरक्षा बल की टीम द्वारा ट्रेन नंबर 18202 नवतनवा डुंग दुर्ग में बिना उचित कारण के चेन खिंचने वाले लोगो पर कार्यवाही की गई।

ट्रेन थ्रू पास होते ही चेन पुलिंग हॉर्न के कारण रूक गई तुरंत वहाँ पर मौजूद आर पी एफ के अधिकारी व बल सदस्य हरकत में आ गए एवं उक्त ट्रेन से उतरे हुए यात्रियों को रोक कर उनसे बिना स्टॉपेज के भिलाई पावरहाउस में उतरने का कारण पूछा। टी टी ई द्वारा यात्रियों का टिकट चेक करने पर पाया गया कि अधिकांश यात्री दुर्ग तक यात्रा करने का टिकट रखे हैं परन्तु चेन खींच कर भिलाई पावर हाउस में उतर गए।पर्याप्त एवम् उचित कारण नहीं होने के कारण चेन खिंचने वाले 01 व्यक्ति को रेलवे एक्ट कि धारा 141 के तहत गिरफ़्तारी की गई। उनमे से 6 यात्रियों को रेलवे एक्ट की धारा 147 के तहत गिरफ़्तारी, 10 व्यक्तियों को रेलवे एक्ट की धारा 145 बी के तहत गिरफ़्तारी की कार्यवाही की गई। सात व्यक्तियों से टीटी के माध्यम से रू1640/- जुर्माना वसूला गया। कुल 24 यात्रियों पर समस्त क़ानूनी कार्यवाही कर चेतावनी देकर मुचलका पर छोडा गया।

**दैनिक विश्व परिवार से जुड़ें...**

छत्तीसगढ़ के सबसे विश्वसनीय दैनिक समाचार पत्र एवं वेबसाइट ''**दैनिक विश्व परिवार**'' से जुड़े और पाए अपनी खबरों को प्रकाशित कराने अवसर।

''**दैनिक विश्व परिवार**'' दे रहा है सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में युवा एवं प्रतिभावान पत्रकारों को मौका अपने जिले की हर खबर को प्रमुखता से प्रकाशित कराने का अवसर।

साथ ही छत्तीसगढ़ के समस्त जिले, विधानसभा, ब्लॉक स्तर पर रिपोर्टरों और विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है। अपनी खबरों को ''**दैनिक विश्व परिवार**'' के माध्यम से जनता तक पहुंचाए। हमसे जुड़ने के लिए निचे दिए गए नंबर पर करे अपनी खबरे साजा।

सम्पर्क : 99810-93065, 62662-63552

# रेलवे ट्रैक पर मवेशियों की रोकथाम हेतु रेल प्रशासन द्वारा ट्रैक के आसपास के निवासियों को दी जा रही समझाइश

**बिलासपुर/रायपुर (विश्व परिवार)।** रेलवे ट्रैक पर मवेशियों की उपस्थिति वर्तमान में एक गंभीर समस्या है। यह समस्या दूसरे मौषम की अपेक्षा बारिश के दिनों ज्यादा देखने को मिलती है। इसका एक मुख्य कारण इस मौषम में हरी-हरी घास है, जिसके लालच में मवेशी रेलवे ट्रैक के आसपास पहुँच जाते है। यह न केवल मवेशियों के लिए खतरनाक है, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा उत्पन्न करता है। रेलवे ट्रैक पर मवेशियों के आ जाने और दुर्घटनाग्रस्त होने से मवेशी की जान जाती है और मवेशी मालिक को आर्थिक नुकसान होता है। मवेशी से टकराने के फलस्वरूप रेल के इंजनो में भी टूट-फूट होती है और इंजन फेल्योर के सर्वाधिक मामले भी इसी वजह से दर्ज की जाती है। इसके अतिरिक्त इस प्रकार की घटनाओं से ट्रेनों की समयबद्धता सर्वाधिक प्रभावित होती है, ट्रेनें बेवजह लेट हो जाती है।

रेलवे ट्रैक पर मवेशियों की रोकथाम के लिए रेल प्रशासन द्वारा समय-समय जागरूकता अभियान चलाया जाता है। इसके तहत रेलवे ट्रैक के आसपास के निवासियों एवं गांवो में मवेशियों के मालिकों को इससे होने वाले नुकसानों और कानूनों की समझाइश दी जाती है। इस विषय पर रेल प्रशासन ट्रेनों के यात्रियों के बीच भी जागरूकता अभियान चलाती है, जिसमें यात्रियों को समझाइश दी जाती है कि खाने-पीने की वस्तुएं, फलों के छिलके आदि ट्रैक पर ना फेकें डस्टबीन में ही डालें, क्यूकि इन वस्तुओं से ना सिर्फ आसपास गंदगी फैलती है बल्कि इनको खाने के लालच में पशु, मवेशी रेल ट्रैक पर आकर दुर्घटना के शिकार हो सकते है। इस तरह के मामले मे रेलवे अधिनियम 1989 की धाराएँ 153 और 154 के तहत जुर्माना या कारावास या दोनों का प्रावधान है तथा इस प्रकार के मामले की पुनरावृति होने पर दोषी के खिलाफ अधिकाधिक अर्थदंड एवं कठोर कार्यवाही हो सकती है। रेल प्रशासन नागरिकों से अनुरोध करती है कि अपने पालतु पशु, मवेशियों को रेलवे ट्रैक के आसपास ना आने देकर रेल प्रशासन का सहयोग करें।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354